1 आगे आना है

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. इस कविता का शीर्षक है– **'आगे आना है।'**

ii. कवि इस कविता के माध्यम से मानव को प्रेरित कर रहा है।

iii. हमे ऐसे पढ़ना चाहिए की पुस्तक भी हमसे ज्ञान ले सकें।

iv. कवि ने परिधान बदलती हैं, ऋतुओं को कहा है।

v. **अभी तक** भारत माता के **केश बिखरे हुए हैं।**

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. कवि के अनुसार आगे बढ़ने के लिए पुस्तकों से भी अधिक ज्ञान और सागर के समान मन की गइराई जैसे गुणों की आवश्यकता है।

ii. 'कुछ जजीरें टूटी हैं, कुछ शेष हैं से कवि का भाव है कि अभी भारत पूरी तरह से स्वतंत्र नहीं हुआ है।

iii. 'हम पर, तुम पर आँख लगाए देश है' से कवि का आशय है कि पूरे भारत देश को स्वतंत्रता की हम सब से ही पूर्णत: आशा है।

iv. कवि प्रस्तुत कविता में नया परिवर्तन लाने के लिए कह रहा है।

v. 'कवि कहता है कि जिस प्रकार से नदी में लहरें कभी गिरती और कभी सँभलती हैं उसी प्रकार मानव जीवन में भी अनेक उतार चढ़ाव अर्थात सुख-दुख आते रहते है, परंतु हमें हार नहीं माननी चाहिए अपने लक्ष्य की प्राप्ती के लिए आगे बढ़ते रहना चाहिए।

(ग) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट करो–

i. कवि कहता है कि हमें अपने लक्ष्य की ओर आँधी की गति समान ऐसे आगे बढ़ना चाहिए कि हमारी आगे बढ़ने की जिद्द को देखकर आँधी भी लोहा मान ले।

ii. कवि कहता है कि भारत आज भी पूर्णत: स्वतंत्र नहीं है, जिस क्षेत्र में गुलामी और रूढ़िवादिता का बोल-बाला हो उसे समाप्त कर नया परिवर्तन लाना होगा।

(घ) कविता की निम्नलिखित पंक्तियों को पूर्ण करो–

i. ऐसे बढ़ो **कि आँधी लोहा मान ले,**
ऐसे पढ़ो कि पुस्तक तुमसे ज्ञान ले,
सागर की गहराई मन में ढालकर
ऐसे बढ़ो **कि पर्वत भी पहचान ले।**

ii. कुछ **जंजीरें टूटी** हैं, कुछ शेष हैं,
अब भी **भारत माँ के बिखरे केश** हैं,
जिधर नजर जाती, **आँसू की भीड़ है**

हम पर, तुम पर **आँख लगाए देश है।**
हम न रुकेंगे, आगे गया जमाना है,
हमको, तुमको, **सबको** आगे आना है।

भाषा-ज्ञान

(क) कविता में से अनुस्वार व अनुनासिक शब्द छाँटकर लिखो–

अनुस्वार	**अनुनासिक**
अंधियारा	आँधी
मंजिल	सँभलती
जंजीरें	ॠतुएँ
—	जहाँ
—	आँख/आँसू

(ख) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखो–

i.	सागर	=	**समुद्र**	**पयोधि**	**जलधि**
ii.	अँधेरा	=	**तम**	**अंधकार**	**तिमिर**
iii.	पुस्तक	=	**किताब**	**पोथी**	**ग्रन्थ**
iv.	परिधान	=	**वस्त्र**	**कपड़ा**	**वसन**
v.	माँ	=	**जननी**	**मैया**	**प्रसू**

(ग) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध वर्तनी में लिखो–

i.	अधीआरा	=	**अंधियारा**	ii.	प्रवत	=	**पर्वत**
iii.	गहराइ	=	**गहराई**	iv.	प्रिविरतन	=	**परिवर्तन**
v.	रुकेंगे	=	**रुकेंगे**	vi.	परीधान	=	**परिधान**
vii.	ॠतूएँ	=	**ॠतुएँ**	viii.	जँजिर	=	**जंजीरें**
ix.	आंधि	=	**आँधी**	x.	सेष	=	**शेष**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग करो–

i. दीया = दीपक
अंधियारे को नष्ट करने के लिए एक छोटा सा **दीया** ही बहुत है।

ii. ज्ञान = बोध
गुरु हमें **ज्ञान** देते हैं।

iii. केश = बाल
लक्ष्मी के **केश** अत्यधिक घने हैं।

iv. शेष = बचा हुआ
हमें आज का **शेष** कार्य कल पर नहीं छोड़ना चाहिए।

v. परिधान = वस्त्र
कृष्ण–राधा के **परिधान** स्वर्ण जड़ित थे।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखो–

i.	जलाना	=	आना	ii.	मान	=	आन
iii.	सँभलती	=	बदलती	iv.	शेष	=	केश

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

2 यमराज का निमंत्रण

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. राजा ने रानी, मंत्री और भाट से अपने विषय में पूछा।

ii. राजा को चापलूसी पसंद थी।

iii. राजा ने यमदूत को जागीर का लालच दिया।

iv. रानी का नाम महामाया था।

v. राजा का मंत्री कृपापाल सिंह था।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. महामाया　　2. i. राजा का भाट

3. iii. यमदूत को　　4. ii. धर्मराज

5. i. नरक में

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. रानी ने कहा—महाराज, आपके समान कोई दूसरा राजा इस धरती पर नहीं है।

ii. राजा ने यमदूत को धमकी दी अरे यमदूत, क्या यमराज को नहीं मालूम कि मैं पृथ्वी का प्रजापालक हूँ। मेरे चलने से पृथ्वी डोलती है। मेरी कृपा से लोग माला-माल हो जाते हैं। यदि मैं न रहूँगा तो यहाँ का काम कैसे चलेगा। सबकी देखभाल कौन करेगा, तुम अब भागो यहाँ से, नही तो मेरे पहरेदार तुम्हारे हाथों में हथकड़ी पहनाकर तुम्हें कालकोठरी में डाल देंगे।

iii. राजा ने यमदूत से कहा, मैं आपके साथ चलने को तैयार हूँ पर सच मानिए, मेरे न रहने से राज्य का सारा काम-काज बिगड़ जाएगा। सब लोग समुद्र में कूदकर प्राण दे देंगे। प्रजा अनाथ हो जाएगी। आप विश्वास कीजिए। लोग मेरे बिना बहुत दुखी होंगे। चाहे तो परीक्षा लेकर देख लीजिए।

iv. यमदूत ने धर्मराज का भेष इसलिए धारण किया ताकि सब लोग सच बोल सकें।

v. यमदूत ने रानी से पूछा हे महारानी! यह आपके पति का शव है। क्या आप चाहती है कि मैं इन्हें जिंदा कर दूँ? फिर यमदूत ने मंत्री से पूछा, राजा का शव देख रहे हो? क्या इन्हें कुछ दिन और संसार में रहना चाहिए। इसके बाद यमदूत ने भाट से कहा, तुम राजा के भाट थे। अब वह संसार में नहीं रहे। तुम उनकी बड़ाई में दो शब्द कह दो।

vi. राजा की मृत्यु के विषय में जानकर रानी बोली, मैं तो इनसे बहुत परेशान थी। अच्छा है, अब मेरा बेटा राजा बनेगा और मैं राजमाता कहलाऊँगी। इसके बाद राजा की मृत्यु के बारे में जानकर भाट बोला, प्रभु क्या कहें। राजा तो ऐसा घमंडी था कि पूछो मत। अपनी झूठी प्रशंसा से फूला रहता था। हम तो झूठी

प्रशंसा करते-करते थक गए। अच्छा हुआ जान छूटी। अब हमें और झूठ तो न बोलना पड़ेगा।

vii. राजा को रानी, मंत्री और गुणगानी भाट के विषय में यह भ्रम था कि ये सभी मुझे बहुत प्रेम करते हैं और मेरे बिना नहीं रह सकते। लेकिन जब उसने यमदूत द्वारा उन तीनों के विचारों को जाना तो राजा का वह भ्रम टूट गया।

viii. इस एकांकी में यह संदेश निहित है कि हमें अपने जीवन में हमेशा अच्छे कार्य करने चाहिए क्योंकि अच्छे कर्म करने से ही दूसरे लोग हमारी प्रशंसा करते हैं। जबरदस्ती किसी से अपनी प्रशंसा करवाना व्यर्थ है।

(घ) किसने, किससे कहा?

उत्तर– i. मंत्री ने, राजा से   ii. राजा ने, रानी से

iii. भाट ने, राजा से   iv. यमदूत ने, राजा से

v. राजा ने, यमदूत से   vi. मंत्री ने, यमदूत से

कुछ अलग नया-

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) शब्दों को बहुवचन में बदलो–

उत्तर–

i.	मंत्री	**मंत्रियों**	vi.	वीर	**वीरों**
ii.	नारी	**नारियों**	vii.	महल	**महलों**
iii.	रानी	**रानियों**	viii.	तलवार	**तलवारों**
iv.	पुस्तक	**पुस्तकों**	ix.	द्वारपाल	**द्वारपालों**
v.	गुण	**गुणों**	x.	पंडित	**पंडितों**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के समास-विग्रह करो–

उत्तर–

i.	अन्नदाता	—	**अन्न का दाता**
v.	कालकोठरी	—	**काल की कोठरी**
ii.	द्वारपाल	—	**द्वार के पाल**
vi.	चंद्र-सूर्य	—	**चंद्र और सूर्य**
iii.	धर्मराज	—	**धर्म का राजा**
vii.	राजमाता	—	**राजा की माता**
iv.	यमदूत	—	**यम के दूध**
viii.	महाप्रभु	—	**महान है जो प्रभु**

(ग) वाक्यों में क्रियापद छाँटकर अकर्मक-सकर्मक लिखो–

उत्तर– i. सकर्मक   ii. अकर्मक   iii. अकर्मक

iv. सकर्मक   v. अकर्मक।

(घ) निम्न शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

i.	प्रसंसा	**प्रशंसा**	vi.	परताप	**प्रताप**
ii.	जूररत	**जरुरत**	vii.	प्रथवी	**पृथ्वी**

iii. दुत **दूत**
iv. दुष्ष **दुष्ट**
v. सन्सार **संसार**
viii. प्राथरना **प्रार्थना**
ix. पराण **प्राण**

(ङ) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– i. अपने मुँह मियाँ मिटठू **अपनी प्रशंसा स्वयं करना**
ii. गागर में सागर भरना **थोड़े में अधिक कहना**
iii. आँखों का तारा होना **बहुत प्यारा होना**
iv. गाँठ बाँध लेना **सीख लेना**
v. आसमान से चाँद चुरा लाना **दुर्लभ कार्य करना**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

3 वार्तालाप

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. पाठ के लेखक योगेश केसरवानी हैं।
ii. प्रस्तुत पाठ का विषय ऊर्जा है।
iii. मनुष्य को ऊर्जा भोजन से प्राप्त होती है।
iv. ऊर्जा हमारे शरीर के तापक्रम को बनाए रखती है।
v. ऊर्जा का अर्थ पाषाण युग से ज्ञात हुआ है।

(ख) सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– i. (✓) ii. (✓) iii. (✗) iv. (✗) v. (✓)।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. हमें कार्य करने के लिए, चलने-फिरने, दौड़ने एवं खेलने के लिए ऊर्जा की बहुत आवश्यकता होती है। ये ऊर्जा हमें भोजन से प्राप्त होती है।
ii. अधिक काम करने की क्षमता को हम असाधारण ऊर्जा कहते हैं।
iii. पेट्रोल और कोयले को 'जीवाश्मी ईंधन' कहते हैं। ये जीवाश्मी ईंधन उन पेड़-पौधों के अवशेष हैं जो आज से करोड़ों वर्ष पहले जल या थल के किसी विनाशकारी भूकंप या समुद्री महाचक्रवात के शिकार हुए थे। पेड़-पौधे या बड़े-बड़े विशाल वृक्ष दलदल में धँसने से और चट्टानों आदि के अत्यधिक दबाव के कारण पत्थर जैसे बन जाते हैं, इनको ही 'कोयला' कहते हैं तथा पेट्रोल उन जल-जीवों के अवशेष हैं जो सृष्टि के आदिकाल में महासागरों के तल में या भू-गर्भ में दब गए थे। इन करोड़ों वर्षों में अत्यधिक दबाव के कारण इन जीव अवशेषों ने द्रव रूप धारण कर लिया, जिसे परिशुद्ध रूप में पेट्रोल कहा गया।
iv. ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत मुख्यत: जल, वायु तथा सूर्य हैं। सूर्य तो हमें ऊष्मीय

और प्रकाशीय ऊर्जा निःशुल्क प्रदान कर रहा है। पौधों को स्वयं का भोजन बनाने के लिए सूर्य की प्रकाशीय ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इसे प्रकाश-संश्लेषण की क्रिया कहते हैं। जिसके द्वारा ये अपना भोजन बनाते हैं। पवन भी ऊर्जा का ऐसा स्रोत है, जो निःशुल्क ऊर्जा देता है तथा वातावरण को प्रदूषित नहीं करता। पवनचक्की, पवन ऊर्जा पर ही आधारित है। पवन चक्की कागज की फिरकी के समान है। देश में बहुत से स्थान ऐसे हैं, जहाँ पवन ऊर्जा का उपयोग पवनचक्कियाँ चलाने में किया जाता है। इसका उपयोग पानी निकालने और विद्युत पैदा करने में किया जाता है। बहता हुआ जल ऊर्जा का स्रोत है। यह भी वातावरण को प्रदूषित नहीं करता। जब नदियाँ बहती हैं तब वे अपने साथ मिट्टी और रेत को बहा ले जाती हैं, जो ऊर्जा के स्रोत कहलाती हैं। रद्दी सामान, सूखा कूड़ा-करकट, कारखाने से निकलने वाला मलबा, फसल के अवशेष, जल-मल आदि सभी ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं।

v. जर्मन वैज्ञानिक ओटोहॉन एवं स्ट्रासमैन के अनुसार जब कम वेग वाले न्यूट्रॉनों की यूरेनियम पर बौछार की जाती है, तब बेरियम और क्रिप्टॉन बनते हैं। इस यूरेनियम का परमाणु द्रव्यमान 235 होता है तथा इस अभिक्रिया को 'नाभिकीय विखंडन अभिक्रिया' कहते हैं, जिसमें से ऊर्जा तो मुक्त होती है, साथ ही यूरेनियम के नाभिकीय विखंडन की क्रिया में उत्पन्न न्यूट्रॉनों में से कुछ न्यूट्रॉन अन्य यूरेनियम नाभिकों पर प्रहार कर दूसरे नाभिकों का विखंडन करते हैं, जिससे पुनः अत्यधिक ऊर्जा मुक्त होती है और पुनः न्यूट्रान उत्पन्न हो जाते हैं। यह क्रिया चलती रहती है इसे 'श्रृंखला-अभिक्रिया' कहते हैं। परमाणु बम में श्रृंखला-अभिक्रिया होती है, जिसमें उत्सर्जित न्यूट्रॉनों की संख्या बढ़ती जाती है और इस अनियंत्रित अभिक्रिया से पल में ही अत्यधिक विनाशकारी ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिसका उदाहरण 'हिरोशिमा' है, जिसे अभी तक भुलाया नहीं जा सका है, वहीं दूसरी ओर इससे प्राप्त ऊर्जा की नियंत्रित मात्रा संपूर्ण विश्व के लिए लाभदायक है; क्योंकि इसमें प्रदूषण भी कम होता है।

उच्च वेग वाले प्रॉटॉनों, डयूट्रॉनों द्वारा नाभिकों पर प्रहार पर नाभिकीय संलयन क्रिया होती है, जो नाभिकीय विखंडन के विपरीत प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया लगभग दस लाख डिग्री तापमान पर होती है। यह तापमान या ऊर्जा परमाणु बम के विस्फोट से प्राप्त होती है, जिसमें संलयन क्रिया होती है तथा इसमें अधिक मात्रा में ऊर्जा उत्पन्न होती है। इसी से हाइड्रोजन बम बनाया जाता है जो परमाणु बम से कई गुणा अधिक खतरनाक होता है। सूर्य में भी ऊर्जा, नाभिकीय संलयन के कारण होती है।

vi. मुंबई में स्थित 'भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र' में परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में नित नई खोजों पर अनेक कार्य हो रहे हैं। कनाड़ा के सहयोग से यहाँ अप्सरा, जटलीन, पूर्णिमा, ध्रुव आदि भट्टियों का निर्माण किया गया है। विभिन्न समस्थानिक, जिनका उपयोग कृषि, चिकित्सा, उद्योगों, भू-विज्ञान, भौतिकीय अध्ययनों ओर पर्यावरण प्रदूषण मापने आदि में होता है, इसका निर्माण इसी

अनुसंधान केंद्र में होता है। परमाणु ऊर्जा विश्व में खनिज ईंधनों की आपूर्ति में कमी ही नहीं बल्कि पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा एवं अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की भविष्य में होने वाली कमी, वर्तमान में परमाणु ऊर्जा के महत्व को सार्थक सिद्ध कर रही है। वर्तमान समय में भारत में आठ प्रेशेराइज्ड हेवीवाटर रियेक्टर एवं दो बॉयलिंग वॉटर रियेक्टर इसी सिद्धांत पर कार्य कर रहे हैं।

vii. ऊर्जा के विभिन्न रूपों में यांत्रिक ऊर्जा और रासायनिक ऊर्जा, ऊष्मीय ऊर्जा भी प्रमुख हैं। जब कोई वस्तु गतिशील अवस्था में होती है तो उसमें ऊर्जा मौजूद होती है, इसे यांत्रिक ऊर्जा कहते हैं। जब हम गुलेल की रबड़ में पत्थर का टुकड़ा लगाकर खींचते हैं तब रबड़ को छोड़ने पर पत्थर तेजी से दूर चला जाता है। इस प्रकार खिंची हुई रबड़ में यांत्रिक ऊर्जा होती है।

viii. हमारे ज्ञात तेल भंडार मात्र 400 करोड़ टन हैं, आज प्रतिवर्ष लगभग 40 करोड़ टन पेट्रोल निकाल लिया जाता है और जिसकी खपत हो जाती है।

भाषा-ज्ञान

(क) 'प्रकाश' शब्द में 'काश' में 'प्र' उपसर्ग लगकर 'प्रकाश' हो गया है अर्थात् 'रोशनी', 'उजाला।' इसी तरह 'प्र' उपसर्ग लगाकर पाँच शब्द बनाइए व उनके अर्थ भी लिखो–

उत्तर–

प्रकार	तरीका
प्रगति	उन्नति
प्रशंसा	बड़ाई
प्रहर	भाग
प्रहार	हमला
प्रजाति	जाति के प्रकार

(ख) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखो–

उत्तर–

i.	लगातार होने वाला	**अनवरत**
ii.	जिसका अंत किया गया हो	**प्राणांत**
iii.	जो सचेत हो	**चेतन**
iv.	अस्तित्व में होने वाला	**अस्तित्वमय**

(ग) विलोम शब्द लिखो–

उत्तर–

i.	अधिक	**कम**	ii.	प्रकाश	**अंधकार**
iii.	संभव	**असंभव**	iv.	अवश्य	**संदेहात्मक**

(घ) इस अनुच्छेद में से विकारी तथा अविकारी शब्द छाँटकर लिखो–

उत्तर– **विकारी** प्रोटॉनों, डयूट्रानों, नाभिकों, विस्फोट, बम, वेग क्रिया

अविकारी पर, जो, यह, या, के, से जिसमें, तथा में, इसी, भी

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो-

उत्तर– i. इस पाठ के लेखक का नाम 'हरिकृष्ण देवसरे' है।

ii. दूसरी बार में लोटा इसलिए नहीं भर पाया क्योंकि बादशाह अकबर की नीयत में खोट आ गया था।

iii. इस पाठ में यह समझाने का प्रयत्न किया गया है कि यदि मनुष्य अपनी नीयत साफ रखे तो उसकी मंजिल आसान हो जाती है क्योंकि भगवान भी सच्चे लोगों की मदद जरूर करते हैं।

(ख) सही विकल्प चुने–

उत्तर– 1. iii. गन्नों का   2. ii. दो

3. i. हाँ   4. iii. पत्ता

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. आगरा की सड़कों पर एक आदमी रोता-चिल्लाता घूम रहा था क्योंकि बकरी उसके दो गाँव खा गई थी।

ii. एक गन्ने के रस से पूरा लोटा भर गया था इसलिए बादशाह अकबर की नीयत में यह खोट आ गया था कि ऐसे रसवाले गन्ने के खेत पर तो काफी रुपए का लगान लगाना चाहिए।

iii. अकबर को ऐसा इसलिए लगा क्योंकि किसान ने अनजाने में उनके सामने सच्चाई बता दी थी।

iv. हाँ, बादशाह अकबर को किसान की बात समझ में आ गई थी।

v. बादशाह अकबर ने किसान को इनाम स्वरूप दो गाँव दिए।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– i. लोटा एक ही गन्नें के रस से भर गया।

ii. अकबर ने रस पीकर एक पीपल के पत्ते पर लिखकर किसान को दो गाँव दिए।

iii. अकबर ने किसान को दो गाँव लिखकर इसलिए दिए जिससे उन गाँवों की आमदनी से किसान के खाने-पीने का इंतजाम हो जाए।

भाषा ज्ञान

(क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाओ–

उत्तर– i. "अरे वाह! ऐसा रस तो हमने पहले कभी नहीं पीया।"

ii. अकबर ने कहा—"भाई! तुम जानते हो, मैं कौन हूँ?"

iii. जाते जाते सावधान किया—"इस बार इन गाँवों को बकरी से बचाना।"

iv. "क्या? एक गन्ने में इतना सारा रस!"

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में आए विशेषणों के नीचे रेखा खींचो–

उत्तर– i. बकरी <u>दो</u> गाँव खा गई।

ii. बादशाह अकबर <u>कुछ समय</u> पहले एक गाँव में गए थे।
iii. किसान ने एक गन्ना तोड़ा और <u>बड़े</u> लोटे में रस भर लाया।
iv. तुमने वह सिखाया जो <u>बड़े-बड़े</u> विद्वान भी नहीं सिखा पाते।
v. <u>सारा</u> दरबार कहकहों से गूँज उठा।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलकर लिखो–

उत्तर– i. आगरा की सड़कों पर किसान चिल्ला रहे थे।
ii. सभी किसान अपने काम में लग गए।
iii. बकरियाँ पत्ते खा गईं।
iv. इस बार गाँव को बकरियों से बचाना।

(घ) उदाहरणानुसार शब्द-निर्माण करो–

उत्तर– अन + जान = **अनजान** अन + **देखी** = **अनदेखी**
अन + **होनी** = **अनहोनी** अन + **सुनी** = **अनुसुनी**
अन + **कही** = **अनकही** अन + **मोल** = **अनमोल**
बे + **आबरू** = **बेआबरू** बे + **गुनाह** = **बेगुनाह**
बे + **कसूर** = **बेकसूर** बे + **ईमान** = **बेईमान**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

5 ममता

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. चूड़ामणि रोहितास दुर्गपति के मंत्री थे।
ii. चूड़ामणि ममता के लिए बहुत सारा सोना लेकर आए थे, लेकिन ममता ने उसे स्वीकार नहीं किया क्योंकि वह उसे पाप की दौलत समझती थी।
iii. ममता के स्वर्ण न स्वीकार करने पर उसके पिता ने उसे मूर्ख कहा।
iv. डोलियों का ताँता देखकर चूड़ामणि इसलिए घबरा उठे क्योंकि उन्हें आभास हो गया था कि डोलियों में शत्रु छिपकर आएँ हैं।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. अपनी पुत्री का दु:ख देखकर
2. ii. वह आततायी था
3. ii. मुगलों और पठानों के बीच
4. i. अतिथि सत्कार को

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. ममता रोहतास दुर्गपति के मंत्री चूड़ामणि की पुत्री थी। वह एक विधवा थी। वैसे तो उसके लिए कोई अभाव नहीं था। सारी सुख-सुविधाएँ उसे प्राप्त थीं लेकिन

इन सबका उसके जीवन में कोई मूल्य नहीं था क्योंकि सारी सुख-सुविधाएँ होने के बावजूद उसके जीवन में बहुत खालीपन था।

ii. मुगल को आश्रय देने से पूर्व ममता के मन में यह द्वंद्व चल रहा था कि इन्होंने मेरे पिता का वध किया है मुझे इन्हें आश्रय नहीं देना चाहिए। फिर सोचने लगी—"मैं ब्राह्मणी हूँ, मुझे तो अपने धर्म अतिथि देव का सत्कार का पालन करना चाहिए। फिर सोचती है ये सब दया के पात्र नहीं है फिर सोचती है, यह दया नहीं ये तो कर्तव्य है।"

iii. ममता बाद में उसे शरण देने को इसलिए तैयार हो गई क्योंकि उसे विश्वास हो गया था कि यह पथिक उससे छल नहीं करेगा। और फिर उसने सोचा कि मुझे तो अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। सब अपना धर्म छोड़ दे तो क्या मैं भी छोड़ दूँ।

iv. अश्वारोहियों को देखकर ममता पथिक को शरण देने की अपनी मूर्खता पर पछताई।

v. ममता एक ममतामयी, धर्मपरायण, सत्यवादी तथा सबके सुख-दुख में काम आने वाली महिला थी। वह त्यागी प्रवृत्ति की सुशील महिला थी।

(घ) आशय स्पष्ट करो–

उत्तर– i. यह अनर्थ .... नहीं!

आशय—उपर्युक्त पंक्ति में जब मंत्री चूड़ामणि घूस के रूप में बहुत सा धन लेकर आते हैं तो ममता उन्हें धिक्कारती है कि यह धन नहीं है बल्कि पाप है। इसको लौटा दीजिए। और वैसे भी हम लोग ब्रह्मण है; हमें इतने धन की आवश्यकता नहीं है।

ii. परंतु यह दया तो नहीं .... कर्तव्य करना है।

आशय—उपर्युक्त पंक्ति में जब ममता के दरवाजे पर एक थका हुआ पथिक आश्रय माँगने आता है तो ममता के मन में कशमकश चलती है। कभी वह सोचती है कि मुगल दया के पात्र नहीं हैं क्योंकि उसके पिता को भी इन्होंने ही मारा है। लेकिन फिर वह सोचती है मैं तो ब्रह्मणी हूँ मुझे तो अपने अतिथि धर्म का पालन करना चाहिए। और फिर ये दया नहीं ये तो कर्तव्य है और मुझे कर्तव्य का पालन करना चाहिए।

कुछ अलग नया-

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) विलोम शब्द लिखो–

उत्तर–

विपन्न	**संपन्न**	इच्छा	**अनिच्छा**
स्वीकार	**अस्वीकार**	अर्थ	**अनर्थ**
विकल	**संतुष्ट**	व्यथित	**प्रसन्न**

(ख) नीचे दिए गए शब्दों के संधि-विच्छेद करें–

उत्तर– पतनोनमुख — **पतन + उन्मुख**

अश्वारोही — **अश्व + आरोही**

भग्नावशेष — **भग्न + अवशेष**

दीपालोक — **दीप + आलोक**

रोहिताश्व — **रोहित + अश्व**

(ग) अब आप अर्थ लिखकर वाक्य द्वारा अंतर स्पष्ट करो–

उत्तर– दिन — **दिन** निकलते ही चिड़िया चहचहाने लगी।

दीन — हमें **दीन**–दुखियों की सेवा करनी चाहिए।

अन्न — **अन्न** ग्रहण करने से मनुष्य को ऊर्जा प्राप्त होती है।

अन्य — पढ़ाई करते समय केवल पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए **अन्य** बातों में नहीं।

कोश — मैंने हिंदी का एक शब्द**कोश** खरीदा।

कोष — दोनों हाथों से लुटाने से तो भरे हुए **कोष** भी खाली हो जाते हैं।

कपट — छल–**कपट** करने से आज तक किसी का भला नहीं हुआ।

कपाट — ग्रहण पड़ने के अवसरों पर मंदिरों के **कपाट** बंद कर दिए जाते हैं।

सुना — आज मैंने तुम्हारी बहुत सी बेकार बातों को **सुना**, कल ऐसा मत करना।

सूना — बच्चों के गरमियों की छुट्टियों में नानी के घर चले जाने पर घर बिल्कुल **सूना** हो गया।

(घ) अर्थ के आधार पर वाक्यों में भेद बताएँ–

उत्तर– i. विधानवाचक वाक्य ii. प्रश्नवाचक वाक्य

iii. विस्मयादिवाचक वाक्य iv. आज्ञावाचक वाक्य

v. संकेतवाचक वाक्य vi. संदेहवाचक वाक्य

vii. इच्छावाचक वाक्य viii. नकारात्मक, निषेधवाचक वाक्य।

(ङ) दिए गए वाक्यों में उचित स्थान पर समुच्चयबोधक शब्द जोड़ो–

उत्तर– i. चूड़ामणि ने बहुत समझाया लेकिन ममता न मानी।

ii. वह सोचने लगी कि ये सब दया के पात्र नहीं।

iii. अकबर ने गगनचुंबी मंदिर बनवाया पर ममता का कहीं नाम न था।

iv. रात में चलने में असमर्थ हूँ इसलिए आश्रय चाहता हूँ।

v. ममता ने सैनिकों को देखा और छिपने के लिए मृगदाव में चली गई।

(च) नीचे दिए गए अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर– i. उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे।

ii. चूड़ामणि ने यह शर्त स्वीकार कर ली।

iii. वह लोग इधर ही आ रहे हैं।

iv. इस स्थान पर हुमायूँ ने एक दिन विश्राम किया था।

v. धूल उड़ती देख हम समझे सैनिक आ गए।

(छ) निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. ममता — **वात्सल्य** **स्नेह**

ii. स्वर्ण — **सोना** **कनक**

iii.	भगवान	—	**ईश्वर**	**प्रभु**
iv.	स्त्री	—	**अबला**	**नारी**
v.	पुत्र	—	**बेटा**	**सुत**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

6 माँ, कह एक कहानी

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. माँ नानी की बेटी है।

ii. राहुल लेटे-ही-लेटे कहानी सुनाने की बात माँ से कर रहा है।

iii. राजा सिद्धार्थ थे।

iv. एक कहानी सुनाने की जिद सिद्धार्थ का पुत्र राहुल कर रहा है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. यशोधरा अपने बेटे को अपने पति सिद्धार्थ की कहानी सुना रही है।

ii. 'तू मेरी नानी की बेटी' से कवि का आशय है कि राहुल अपनी माता से कहता है कि तुम मेरी नानी की ही बेटी हो, जिस तरह नानी कहानी याद रखकर हमें सुनाती है। उसी प्रकार नानी की बेटी होने के कारण तुम भी कहानी सुनाओ।

iii. जहाँ गौतम बुद्ध भ्रमण करते थे वहाँ फूलों की सुगंध अपनी इच्छानुसार फैलकर वहाँ का वातावरण सुगंधित कर देती थी। रंग बिरंगे खिले हुए फूलों पर ओस रूपी मोती खिबरे हुए थे, सुगंधित शीतल हवा चल रही थी। पानी की लहरें हवा के साथ हिल रही थीं।

iv. देवदत्त हंस को पकड़ना चाहता था इसलिए उसने हंस पर बाण चला दिया।

v. हंस का रक्षक सिद्धार्थ था और उन्होंने उसकी रक्षा बाण निकालकर की।

vi. दोनों ही हंस को प्राप्त करना चाहते थे। एक मारना चाहता था एक बचाना। इस विवाद के कारण बात न्यायालय में गयी।

vii. दया का दानी सिद्धार्थ था।

(ग) कविता को पढ़ो और उत्तर दो–

उत्तर–
- कहानी माँ सुना रही है।
- तू मेरी नानी की बेटी, राहुल ने माँ को कहा।
- माँ कहानी राहुल को सुना रही है।
- माँ गौतम बुद्ध की कहानी सुना रही है।
- उपवन में भ्रमण करता था।
- फूल उपवन में खिलते थे।
- पानी नदी में लहराता था।
- बच्चा राजा-रानी की कहानी सुनना चाहता था।

- खग मीठे स्वर में गाते थे।
- ऊपर से हंस घायल होकर गिरा।
- घायल हंस को सिद्धार्थ ने उठाया।
- नया जीवन हंस को मिला।
- निर्णय करने की बात हंस के रक्षक ने की।
- निरपराध हंस था।
- न्याय और दया का दानी सिद्धार्थ था।
- माँ ने राहुल से न्याय पक्ष लेने की बात की।
- आहत पक्षी देवदत्त ने माँगा।
- रक्षक सिद्धार्थ था।
- विवाद हंस पर अधिकार की बात पर हुआ।
- कहानी सच्चे न्याय के कारण प्रसिद्ध हुई।

भाषा ज्ञान

(ख) निम्नलिखित क्रियाओं का तीनों कालों में प्रयोग कर वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. पकड़ना — देवदत्त हँस पकड़ना चाहता था।
ii. उड़ना — हँस उड़ रहा है।
iii. खेलना — राहुल सुबह उठेगा।
iv. बैठना — माँ कहानी सुनाने के लिए बैठेगी।

(ग) वाक्यों में प्रयुक्त विराम चिह्नों को पहचानकर उनके नाम लिखो–

उत्तर– i. "माँ, कह एक कहानी" — अल्प विराम
i. राजा था या रानी? — प्रश्नचिह्न
iii. तात भ्रमण करते थे तेरे, — अल्प विराम

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

7 कर्मशील बनो

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. 'भाग्य' शब्द का प्रयोग आलसी मनुष्य करते हैं।
ii. संपन्न मनुष्य का भाग्य उनका परिश्रम तथा लगन बनाते हैं।
iii. ईश्वर को सर्वव्यापी और सर्वद्रष्टा इसलिए कहा गया है क्योंकि ईश्वर सभी जगह विद्यमान है तथा वह सभी कुछ देखता है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. अकर्मण्य लोगों की
2. iii. दोनों बातें सही हैं

3. ii. संघर्ष करना पड़ता है

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. यह भाग्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। भाग्य मनुष्य को कुछ नहीं करने देता। वह उसे अकर्मण्य बना देता है। किसी कार्य में हाथ डालने पर असफलता के कारण वह इस बात को मान लेता है कि भाग्य साथ नहीं दे रहा है। फिर उस काम में हाथ ही नहीं डालता। वह काम ही छोड़ देता है। भले ही उस असफलता के बावजूद उस काम में हाथ लगाए रखने पर सफलता निश्चित हो। यहीं पर आदमी सबसे बड़ा धोखा खाता है।

ii. मनुष्य अपना भाग्य अपने कर्मों द्वारा ही बनाता है। जो कुछ भी उसके पास होता है उसके अपने कर्मों तथा सूझ–बूझ का ही फल होता है।

iii. लेखक ने लोमड़ी का प्रसंग भाग्य तथा अकर्मण्यता के संदर्भ में दिया है क्योंकि इसके द्वारा लेखक यह समझाना चाहता है कि भाग्यवादी मनुष्य सब–कुछ पाने की क्षमता रखने के बावजूद, आलस्य के कारण या कामचोरी के कारण भाग्य की बात मानकर पड़ा रह जाता है।

iv. ईश्वर के विषय में बर्टेंड रसेल ने कहा था—''मन को शक्ति देने वाली इस आध्यात्मिक कल्पना का नाम ईश्वर है।''

v. अपने भाग्य का आप स्वयं निर्माण करें। सब कुछ आपके हाथ में है। संकल्प करें, शक्ति लगा दें। आपको सब–कुछ मिल जाएगा। आवश्यकता धैर्य की, साहस की, समय की है। जब आप ईमानदारी से इस पर पूरा–पूरा अमल करेंगे तो आप सब–कुछ पा सकते हैं। मनुष्य क्या नहीं कर सकता।

भाषा-ज्ञान

(क) पढ़ो और समझो–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

(ख) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखो–

उत्तर–

i.	अच्छे भाग्य वाला	—	**सौभाग्यशाली**
ii.	जो लाखों का मालिक को	—	**लखपति**
iii.	दिनभर में किया जाने वाला काम	—	**दिनचर्या**
iv.	जो सब जगह विद्‌यमान हो	—	**सर्वव्यापी**
v.	महीने भर की कमाई	—	**मासिक आय**
vi.	जो सब कुछ देख रहा हो	—	**सर्वदृष्टा**

(ग) निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर–

i.	अवश्य	—	**संदेहात्मक**	ii.	सकल	—	**एकल**
iii.	प्रसन्न	—	**दुखी**	iv.	पाप	—	**पुण्य**
v.	प्रश्न	—	**उत्तर**	vi.	शत्रु	—	**मित्र**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. हाँ वन हमारे लिए बहुत जरूरी हैं।

ii. अगर वन खत्म हो जाए तो पृथ्वी पर जीवन दुर्भर हो जाएगा।

iii. वनों को काटना गलत है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. हमारे आस-पास, चारों तरफ जो वातावरण हमें दिखाई देता है उसे पर्यावरण कहते हैं। स्वस्थ और सुखी मानव जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण आवश्यक है।

ii. प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वनों की महिमा के अनेक उल्लेख उपलब्ध हैं। अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया है। गीता में श्रीकृष्ण ने वृक्ष को ईश्वर की विभूति कहकर उसका महत्व स्पष्ट किया है। अग्नि पुराण में वृक्षों को काटने का निषेध किया गया है। क्योंकि वे परिवार की सुख-समृद्धि के आधार है। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के बराबर बताया गया है।

iii. प्राचीन काल में वनों में गुरुकुलों की स्थापना इसलिए की जाती थी क्योंकि इसके पीछे यह विचार था कि प्रकृति से संबंध बना रहे।

iv. वृक्ष उन्हें लगाने वाले मनुष्य को मृत्यु के बाद सुदीर्घकाल के लिए यशस्वी और स्मरणीय बना देते हैं। यह भी माना जाता है कि कुछ वृक्ष लगाने से मानसिक कष्ट दूर होते हैं। इसी कारण कुछ पेड़-पौधे; जैसे—'पीपल, आँवला, विल्व (बेल) तुलसी, केला आदि पूजनीय माने गए हैं।'

v. आधुनिक काल में पेड़-पौधों को नए संदर्भ में समझने का दृष्टिकोण विकसित हुआ। अब पेड़-पौधों को हरा सोना कहा जाता है। दोनों में यही अंतर है कि सोना (धातु) खान के भीतर मिलता है, जबकि हरा सोना (वृक्ष) खुली भूमि पर सुलभ है।

vi. वनों में पाए जाने वाले पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं पचाकर हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। ये भूमि को अधिक तप्त होने से रोकते हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि भू-तल पर वृक्ष न होते तो पृथ्वी का तापमान बढ़कर इतना अधिक हो जाता कि ध्रुवीय प्रदेशों पर जमी बर्फ पिघल जाती। उस बर्फ के पिघलने से पृथ्वी पर जल की मात्रा इतनी अधिक हो जाती कि पृथ्वी उसमें समा जाती। तब न पृथ्वी पर मानव रह पाता, न पशु-पक्षी और न वनस्पति-जगत ही।

vii. वनों से अनेक लाभ हैं—वनों में लगे पेड़ वर्षा में सहायक हैं। वृक्षों की घूमती हुई शाखाएँ श्याम मेघमालाओं को जलवृष्टि का निमंत्रण देती हैं। वृक्षों की जड़ें पानी के तेज बहाव को रोकती हैं, जिनसे भूमि संरक्षण में सहायता मिलती है।

तेज बहाव रुकने से भूमि की उर्वराशक्ति सुरक्षित रहती है। इसके अलावा वनों के और भी बहुत सारे लाभ हैं।

(ग) भाव स्पष्ट कीजिए–

i. वृक्षों को .... समान है।

भाव–उपर्युक्त पंक्ति का भाव यह है कि यदि हम पेड़ों को काटते हैं तो स्वयं अपना ही नुकसान करते हैं। क्योंकि मानव जीवन पूर्णरूप से वनों पर निर्भर है।

ii. वनों .... गया है।

भाव—उपर्युक्त पंक्ति का अर्थ है कि वनों के होने से हमें बहुत सारी सुविधाएँ मिलती है, चीजें मिलती हैं इसलिए वन हमारे सुख–सुविधाओं के सबसे बड़े साधन हैं।

(घ) उचित शब्द लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– पेड़–पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक **वायु** को स्वयं पचा कर हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं। ये **भूमि** को अधिक तप्त होने से बचाते हैं। वैज्ञानिकों का **अनुमान** है कि यदि **भू-तल** पर वृक्ष न होते तो **पृथ्वी** का तापमान बढ़कर इतना अधिक हो जाता कि **ध्रुवीय** प्रदेशों पर जमी बर्फ पिघल जाती। उस बर्फ के पिघलने से पृथ्वी पर **जल** की मात्रा इतनी अधिक हो जाती है कि पृथ्वी समा जाती। तब न पृथ्वी पर **मानव** रह पाता, न पशु–पक्षी और न वनस्पति–जगत् ही।

भाषा-ज्ञान

(क) समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर–	शीतल	**ठंडा**	विविध	**अनेक**
	अतिरिक्त	**अलावा**	सुलभ	**आसान**
	संकट	**विपत्ति**	निषेध	**मना**

(ख) निम्नलिखित के साथ उपयुक्त प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–

उत्तर–	**सु**लभ	**सु**समाचार	**स**जग	**उप**कप्तान
	आजीवन	**अ**हित	**आ**लेख	**स**जीव

(ग) शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर–	प्रोत्साहीत	**प्रोत्साहित**	वृक्षरोपण	**वृक्षारोपण**
	वैग्यानि	**वैज्ञानिक**	अधांधुंध	**अंधाधुंध**
	समाजिक	**सामाजिक**	सतुंलन	**संतुलन**

(घ) निम्नलिखित को वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. **आम के आम गुठलियों के दाम** — जब मैं बाजार गई तो दुकान पर सर्फ के पैकेट के साथ साबुन फ्री मिल रहा था। इससे कहते हैं **आम के आम गुठलियों के दाम**।

ii. **सुलभ** — जनता की सेवा के लिए सरकार ने जगह–जगह पर **सुलभ** शौचालय बनवाएँ हैं।

iii. **व्यापक** — पेड़–पौधों के कटान का पर्यावरण पर **व्यापक** प्रभाव पड़ता है।

iv. **संवद्र्धन** — पेड़-पौधों के **संवद्र्धन** द्वारा ही हम वातावरण को शुद्ध बना सकते हैं।

v. **पर्यावरण** — अपने जीवन की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मनुष्य **पर्यावरण** पर निर्भर है।

(ङ) निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. वन **कानन अरण्य** ii. जल **पानी वारि**

iii. किसान **कृषक हलधर** iv. वृक्ष **पेड़ पादप**

v. ऋषि **योगी मुनि**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

9 नीलू

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. लूसी की जाति कुत्ता थी।

ii. कुत्ते ध्वनि को पहचानते हैं।

iii. नीलू लेखिका के पास चौदह वर्ष तक रहा।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. लूसी

2. ii सर्दी के कारण

3. iii. चौदह वर्ष

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. लोग अपना सामान लूसी से मँगवाया करते थे। लोग उसके गले में रूपए और सामग्री की सूची के साथ थैला लटकाकर भेज देते थे और दुकानदार उसके गले से रुपए और सामग्री की सूची लेकर सामान थैले में रखकर भेज देता था।

ii. लेखिका ने नीलू की देख-रेख इसलिए की क्योंकि उसकी माँ लूसी मर गई थी। लेखिका ने उसको दुग्ध-चूर्ण से दूध बनाकर पिलाया और ऊन से बने स्वेटर की डलिया में रखकर पाला।

iii. हिंसक और क्रोधी भूटिया बाप और आखेटप्रिय अल्सेशियन माँ से जन्म पाकर भी उसमें हिंसा की प्रवृत्ति का कोई चिह्न नहीं था। तेरह वर्ष के दीर्घ जीवन में भी उसे किसी पशु-पक्षी पर झपटते या मारते नहीं देखा गया। उसका यह स्वभाव मेरे लिए ही नहीं सब देखने वालों के लिए आश्चर्य की घटना थी।

iv. खरगोशों की रक्षा करना नीलू को इसलिए मँहगा पड़ गया क्योंकि उसे सरदी लग गई थी और न्यूमोनिया हो गया था। कई दिनों तक उसे इंजेक्शन तथा दवा आदि का कष्ट झेलना पड़ा।

v. लेखिका के अस्पताल चले जाने पर वह लेखिका को अच्छी तरह देखने के लिए पलंग के चारों और घूमकर आश्वस्त होकर लेखिका के पलंग के नीचे जाकर बैठ जाता था। तथा वह अस्पताल में भी हर आने-जाने वाले पर नजर रखता था। अस्पताल के डॉक्टर, नर्सें आदि सब उससे परिचित हो गए थे।

(घ) उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति करो–

उत्तर– i. नीलू की माँ का नाम **लूसी** था।

ii. सरदियों में यह रास्ता **बरफ** से ढक जाता था।

iii. डलिया में वह **ऊन की गेंद** जैसा लगता था।

iv. कुत्ते **भाषा** नहीं जानते, केवल **ध्वनि** पहचानते हैं।

v. वह शांत भाव से **कड़वी दवा** भी पी लेता था।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दो–

उत्तर– i. लूसी की मित्रता भूटिया कुत्ते के साथ हो गई थी।

ii. नीलू का लालन-पालन लेखिका ने किया।

iii. नीलू फेंककर दी गई खाद्य सामग्री को इसलिए ग्रहण नहीं करता था क्योंकि उसको यह बात बुरी लगती थी।

iv. नीलू को चौदह वर्षों का जीवन मिला था।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों का विग्रह करके लिखो–

उत्तर– i. भूरे-पीले = **भूरे और पीले**

ii. धूप-छाँह = **धूप और छाँह**

iii. आना-जाना = **आना और जाना**

iv. रोना-चिल्लाना = **रोना और चिल्लाना**

v. चार-पाँच = **चार और पाँच**

(ख) निम्नलिखित शब्दों को छाँटकर उचित स्थान पर लिखो–

उत्तर– i.	तत्सम =	**शत**	**भ्राता**	**द्वारा**	**कूट**
ii.	तद्भव =	**दूध**	**हाथी**	**पाँच**	**गेहूँ**
iii.	देशी =	**लुटिया**	**खटिया**	**कुटिया**	**पगड़ी**
iv.	विदेशी =	**ऑलपिन**	**बाल्टी**	**फ्रॉक**	**रबर**

ऐसे तीन-तीन शब्द लिखो जिनमें–

उत्तर– i.	'क्र' का प्रयोग हुआ हो =	**क्रमिक**	**क्रमशः**	**क्रेता**
ii.	'त्र' का प्रयोग हुआ हो =	**त्रिशूल**	**त्रिदेव**	**त्रैमासिक**
iii.	(्र) का प्रयोग हुआ हो =	**प्रकार**	**प्रति**	**प्रजाति**
iv.	'रेफ' का प्रयोग हुआ हो =	**सर्प**	**दर्प**	**गर्व**

(ग) निम्नलिखित उपसर्ग से जोड़कर दो-दो शब्द बनाओ–

उत्तर– i. सम् = **समदर्शी** iii. आ = **आमरण**

ii. ला = **लाइलाज** iv. अव = **अवशेष**

(घ) निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो–

उत्तर– i. बर्फ से ढका = **हिमाच्छादित**

ii. खाने की सामग्री = **खाद्य सामग्री**

iii. सूँघने की शक्ति = **घ्राण शक्ति**

iv. सोने के रंग का = **स्वर्ण वर्णी**

(ङ) गलत पर्यायवाची शब्द पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– i. कपड़ा, श्याम, कृष्ण, कृपण (✓)

ii. संध्या, प्रहर (✓) साँझ, सायं

iii. दुग्ध, दूध, नीर (✓) क्षीर

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

10 किसको नमन करूँ मैं?

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. कवि ने भारत को किसी स्थान का वाचक न कहकर नर का विशेष गुण लिए कहा है क्योंकि भारत भारतवासियों के लिए एक विशेष प्रकार का गौरव है।

ii. हम भारत को नदियों, पर्वतों और वनों के रूप में देखते हैं।

iii. कवि ने प्रत्येक मार्ग पर अटल रहने वालों को वीर इसलिए कहा है क्योंकि प्रत्येक मार्ग पर निरंतर साहसी तथा वीर मनुष्य ही चल सकते हैं।

iv. सत्य का मार्ग कठिन होता है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. iii. भारत

2. i. जिसके हाथ में धर्म–द्वीप हो

3. iii. रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. इस कविता के रचयिता रामधारी सिंह 'दिनकर' जी हैं और इसमें भारत की महिमा का वर्णन किया गया है।

ii. 'शील यह भूमंडल भर का है' से कवि का तात्पर्य यह है कि पूरी पृथ्वी पर केवल भारतवासियों में ही शीलता का गुण विद्यमान है।

iii. कवि ने ऐसे नर को भारत का कहा है जिसके हाथ में धर्म का दीपक हो। अर्थात् कवि कहना चाहता है कि भारतीयों की पहचान उनकी धार्मिकता की भावना है।

iv. कवि ऐसे ललाट चंदन को नमन करने के लिए कह रहा है जो मानवता का हो। अर्थात् कवि कहना चाहता है कि भारतीयों का प्रमुख गुण उनकी मानवता की भावना है।

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट करो–

उत्तर– उठे .... तेरा है।

अर्थ–उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहना चाहता है कि भारत में हमेशा ही शांति की पुकार उठती है अर्थात् भारत हमेशा से ही शांतिप्रिय रहा है और भारत के मनुष्यों की पहचान है उनके हाथ में धर्म रूपी दीपक का होना। अर्थात् भारतीय धार्मिकता की भावना से ओत-प्रोत है।

(ङ) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो–

उत्तर– i. तुझको **या तेरे नदीश, गिरि? वन को नमन करूँ मैं?**
मेरे प्यारे देश! देह या मन को नमन करूँ मैं?
किसको **नमन करूँ मैं भारत! किसको नमन करूँ मैं?**

ii. उठे **जहाँ भी घोष शांति का, भारत स्वर तेरा है,**
धर्म-दीप हो जिसके भी कर में, वह नर तेरा है।
तेरा है वह वीर समय पर जो अड़ने जाता है,
किसी **न्याय के लिए प्राण अर्पित करने जाता है।।**

भाषा-ज्ञान

(क) कविता में से तुकांत शब्द लिखो–

उत्तर–

i.	वन	=	**नमन**	iv.	नर	=	**मर**
ii.	अखंडित	=	**विखंडित**	v.	वंदन	=	**चंदन**
iii.	अड़ने	=	**गड़ने**	vi.	कर	=	**पर**

(ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि करो और बताओ कि किन दो वर्णों का मिलान हुआ और मिलकर वे कौन-से वर्ण बने–

उत्तर–

i.	न्याय + आलय	= **न्यायालय**	=	**अ + आ = आ**
ii.	विद्या + अर्थी	= **विद्यार्थी**	=	**अ + अ = आ**
iii.	गिरि + ईश	= **गिरीश**	=	**इ + ई = ई**
iv.	देह + अवसान	= **देहावसान**	=	**अ + अ = आ**
v.	मंडल + आकार	= **मंडलाकार**	=	**अ + आ = आ**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखो–

उत्तर–

i.	धरती	=	**आसमान**	vi.	सम्मान	=	**तिरस्कार**
ii.	खंडित	=	**पूर्णाकार**	vii.	जन्म	=	**मृत्यु**
iii.	शांति	=	**शोर**	viii.	मानव	=	**दानव**
iv.	वीर	=	**कायर**	ix.	वंदन	=	**अवंदन**
v.	सत्य	=	**असत्य**	x.	मान	=	**अपमान**

(घ) निम्नलिखित वाक्यों के लिए प्रश्न बनाकर लिखो–

उत्तर– i. भारतीय कैसे होते है?

ii. कवि देश में किसको नमन करने को कह रहा है?

iii. भारत किसका वाचक है?

iv. भारत में कैसा स्वर उठता है?

v. देश के वीर देश के लिए क्या करने को तैयार हैं?

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– i. गिरि = **पर्वत, पहाड़** v. वन = **कानन, जंगल**

ii. देह = **काया, शरीर** vi. मन = **हृदय, अंतर**

iii. प्रेम = **स्नेह, प्रीति** vii. विश्व = **संसार, जग**

iv. मानव = **नर, मनुष्य** viii. भास्कर = **सूर्य, सूरज**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

11 भिखारिन

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. भिखारिन अंधी थी।

ii. भिखारिन मंदिर के दरवाजे पर जाकर भीख माँगती थी।

iii. सुपात्र को भीख देना अच्छी बात है लेकिन हर किसी को भीख नहीं दी जानी चाहिए।

iv. अंधी सेठ के पास अपनी जमा–पूँजी रखने गई थी।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii.क्योंकि वो गरीब थी 2. iii. मंदिर के बाहर

3. ii.एक हाँडी 4. i. अपने पैसे लेने

5. ii.सेठ जी का

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. अंधी भिखारिन अपने भीख में मिले पैसे हाँडी में रखती थी।

ii. सेठ बनारसीदास एक बहुत प्रसिद्ध व्यक्ति थे। लोग उनके पास कर्ज लेने तथा अपनी पूँजी धरोहर के रूप में रखने आते थे।

iii. बच्चा मेले में खो गया था तथा रोते–रोते अंधी के पास आ गया था।

iv. अंधी ने बेटे की बीमारी दूर करने के लिए दवा–दारू की, झाड़–फूँक से भी काम लिया, टोने–टोटके की परीक्षा की, परंतु सब व्यर्थ हो गया।

v. सेठजी का बेटा मोहन सात वर्ष पूर्व किसी मेले में खो गया था और मोहन की जाँघ पर लाल रंग का निशान था। सेठ जी ने अंधी के बेटे को देखा तो उसकी शक्ल उनको अपने बेटे से मिलती हुई लगी और फिर उसकी जाँघ पर लाल निशान भी सेठ जी ने देखा।

vi. अंधी ने प्यार से बीमार मोहन के माथे पर हाथ फेरा। मोहन ने वह स्पर्श पहचान लिया और उसको संतोष हो गया कि अब वह अपनी माँ के पास में है। बस उसी

दिन से उसका स्वास्थ्य सुधरता चला गया।

(घ) किसने, किससे कहाँ–

उत्तर– i. सेठ जी ने, भिखारिन से   ii. भिखारिन ने, सेठ से
iii. सेठ जी ने, भिखारिन से   iv. सेठ जी ने, भिखारिन से
v. सेठ जी ने, भिखारिन से।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– i. नम्रता — **विनम्र**   v. अश्रु — **आँसू**
ii. श्वेत — **सफेद**   vi. पत्नी — **स्त्री**
iii. नौकर — **दास**   vii. दृष्टि — **नजर,**
iv. दुआ — **आशीष**   viii. ज्वर — **बुखार**

(ख) प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाओ–

उत्तर– i. आवेदन — **आवेदनकर्ता**   vi. दर्शन — **दार्शनिक**
ii. आशा — **आशाक्ति**   vii. पालन — **पालनकर्ता**
iii. आश्चर्य — **आश्चर्यजनक**   viii. करुणा — **करुणामय**
iv. ममता — **ममतामयी**   ix. स्नेह — **स्नेहसिक्त**
v. वात्सल्य — **वात्सल्यता**   x. अपमान — **अपमानित**

(ग) नीचे दिए गए वाक्यें में 'और' का प्रयोग कर वाक्य को दोबारा लिखो–

उत्तर– i. हँसी और दिल्लगी तो उनके स्वभाव का एक आवरण मात्र थी।
ii. सोच लो! आप लोग एक और अंधी भिखारिन को धोखा दे रहे हो।
iii. अंधी भिखारिन की मुलाकात एक रानी से हुई, और उन्होंने उसे एक हार दिया।
iv. तुम मुझे और मत उकसाओ।

(घ) रेखांकित पदों में कारक के भेद लिखो–

उत्तर– i. संबंध कारक   ii. करण कारक   iii. अधिकरण कारक
iv. संबंध कारक   v. अपादान कारक   vi. संबोधन कारक
vii. अपादान कारक   viii. संप्रदान कारक।

(ङ) नीचे दिए गए वाक्यों में उचित संबंधबोधक अव्यय अव्यय लिखकर वाक्यों को पूरा करो–

उत्तर– i. बच्चा उस **के साथ** गाँव गया।
ii. उसकी माँ **के पास** कुछ भी न बचा था।
iii. तुम्हारे **सिवा** मेरी मदद और कौन करेगा?
iv. महल **के बाहर** भीड़ लगी थी।

(च) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्दों को छाँटकर लिखो–

उत्तर– i. उन्होंने ii. अपने, इस   iii. इन   iv. वह   v. उसकी, उस।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

चाँद खिलौना

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. राजा की एक बेटी थी।

ii. राजकुमारी ने राजा से चाँद माँगा।

iii. राजा ने पहले प्रधानमंत्री को बुलाया ओर उससे कहा ''रानी बेटी को खेलने के लिए चाँद चाहिए। आज नहीं तो कल रात तक जरूर आ जाना चाहिए।''

iv. राजकुमारी को अपने अंगूठे के नाखून के बराबर, सोने का चाँद चाहिए था।

v. अगर हम जोकर होते तो हम भी राजकुमारी को चाँद ऐसे ही लाकर देते। जैसे राजा के जोकर ने लाकर दिया।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. बीमार पड़ गई 2. iii. एक चाँद

3. ii. जोकर ने 4. ii. अपने अंगूठे के नाखून जितना

5. i. उसे जंजीर में डालकर गले में लटका लिया

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. राजा इसलिए उदास था क्योंकि राजकुमारी की हालत में किसी भी प्रकार का सुधार नहीं हो रहा था।

ii. राजा ने प्रधानमंत्री, प्रधान सेनापति, खंजाची और जोकर को बुलाकर उनसे चाँद लाने के लिए कहा।

iii. जोकर ने राजकुमारी से पूछा, बताओ चाँद कितना बड़ा है, किस चीज का बना है और कितनी ऊँचाई पर है।

iv. राजकुमारी ने जोकर को बताया, चाँद मेरे अंगूठे के नाखून के बराबर है, सोने का बना है, और पेड़ के बराबर ऊँचाई पर है।

v. जोकर और राजा ने योजना बनाई कि सुनार से एक सोने का चाँद बनवाकर राजकुमारी को दे दिया जाए।

vi. सोने का बना चाँद पाकर राजकुमारी की तबियत ठीक हो गई।

vii. राजा को यह चिंता खाए जा रही थी कि जब राजकुमारी खिड़की से चाँद देखेगी तो सोचेगी कि उसके पिता ने उससे झूठा वादा किया था।

viii. अंत में जोकर ने राजकुमारी से पूछा, ''अच्छा राजकुमारी, जरा यह तो बताओ कि जब चाँद तुम्हारे गले में लटका है तो फिर आसमान में कैसे निकल आया।'' राजकुमारी ने हँसकर कहा, ''तुम मूर्ख हो। जब मेरा एक दाँत टूट जाता है तो दूसरा निकल आता है। उसी तरह दूसरा चाँद निकला है।''

(घ) किसने, किससे कहा–

उत्तर– i. राजकुमारी ने, राजा से। ii. राजा ने, राजकुमारी से।

iii. राजा ने, प्रधानमंत्री से। iv. राजा ने, खंजाची से।

v. जोकर ने, राजा से। vi. राजा ने, जोकर से।

कुछ अलग नया-

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. प्यार **नफरत** iv. मूर्ख **चतुर**

ii. योग्य **अयोग्य** v. ऊँचाई **निचाई**

iii. प्रबंध **बिखरना** vi. झूठा **सच्चा**

(ख) उचित स्थान पर अनुस्वार और अनुनासिक लगाकर लिखें–

उत्तर– i. प्रबध **प्रबंध** iv. आख **आँख**

ii. चाद **चाँद** v. जजीर **जंजीर**

iii. प्रधानमत्री **प्रधानमंत्री** vi. दात **दाँत**

(ग) 'न' और 'नहीं' का प्रयोग करते हुए वाक्य लिखो–

उत्तर– i. मुझे न कहने की आदत नहीं है। ii. ये पिक्चर कितनी अच्छी है। है न।

iii. मुझे तुम्हारा अहसान नहीं चाहिए। iv. जो आज हुआ, वह आगे नहीं होना चाहिए।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में करण कारक और अपादान कारक की पहचान करें–

उत्तर– i. अपादान ii. करण iii. अपादान iv. अपादान v. करण

(ङ) इसी प्रकार नीचे लिखे अंगों से संबंधित मुहावरे लिखें–

उत्तर– i. आँख — आँखों का तारा।

ii. दाँत — दाँतों तले ऊँगली दबाना।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

13 पिता का न्याय

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. पांचाल देश की राजकुमारी रूप तथा गुण में अद्‌वितीय थी।

ii. सुधन्य से केशनी ने विवाह करने का निश्चय इसलिए किया क्योंकि सुधन्य सानवान था।

iii. केशनी और सुधन्य के विवाह की बात पर सभी को आश्चर्य इसलिए हुआ क्योंकि केशनी एक राजकुमारी थी और सुधन्य एक निर्धन ऋषिकुमार।

iv. केशनी ने विरोचन के सामने शर्त रखी कि वाद-विवाद में आप दोनों में जो विजयी होगा, मैं उसी के साथ विवाह करूँगी, पर जो हार जाएगा, उसे दूसरे के चरण पखारने पड़ेंगे।

v. विरोचन इसलिए जल्दी पहुँच गया क्योंकि वह तीव्रगामी घोड़ों वाले रथ पर आया था और सुधन्य को पहुँचने में देर इसलिए हो गई क्योंकि वह पैदल चलकर आया था।

vi. वाद-विवाद में विरोचन धन को महत्व दे रहा था और सुधन्य आत्मा के ज्ञान को महत्व दे रहा था।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनो–

उत्तर– 1. i. देश-विदेश में

2. ii. आत्मा के ज्ञान को प्रधानता देगी

3. ii. घोषणा करा दी

4. i. प्रधान + ता

5. i राजा की कुमारी

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. सुधन्य के साथ विवाह की बात सुनकर विरोचन ने केशनी से कहा, ''राजकुमारी, मैंने सुना है कि तुम ऋषिकुमार सुधन्य के साथ विवाह करने जा रही हो। उसके साथ विवाह करने से तुम्हें कौन सा सुख मिलेगा। वह तो निर्धन है। तुम मुझसे विवाह कर लो। मेरे साथ विवाह करने से तुम्हें अपार सुख प्राप्त होगा, तुम आजीवन सुखी रहोगी।''

ii. केशनी ने विरोचन से कहा, ''मैं सांसारिक सुखों के लिए विवाह नहीं कर रही हूँ। मैं विवाह कर रही हूँ एक सुंदर हृदय वाले जीवनसाथी को प्राप्त करने के लिए, जो ज्ञानवान और विचारवान हो।''

iii. विरोचन के पिता की दृष्टि में विरोचन और सुधन्य में से सुधन्य श्रेष्ठ था। परंतु पुत्र-मोह के कारण वे निर्णय नहीं ले पा रहे थे।

iv. विरोचन और सुधन्य के बीच हुए वाद-विवाद में विरोचन ने कहा, इस संसार में धन के बिना कोई भी कार्य संभव नहीं है अत: हमें धन इकट्ठा करने का प्रयत्न करना चाहिए परंतु सुधन्य ने कहा, इस संसार में आत्मा के ज्ञान से अधिक श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है। धन तो नाशवान है और नाशवान वस्तु का संग्रह कभी भी नहीं करना चाहिए।

v. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि धन तो धीरे-धीरे खत्म हो जाता है परंतु ज्ञान रूपी धन कभी भी खत्म नहीं होता है अत: हमें ज्ञान-रूपी धन इकट्ठा करने का प्रयत्न करना चाहिए।

(घ) निम्नलिखित वाक्य किसने और कब कहे?

उत्तर– i. सुधन्य ने, विरोचन से। ii. केशनी ने, विरोचन से।

(ङ) आशय स्पष्ट करो–

उत्तर– i. धन नाशवान .... नहीं है।

आशय—उपर्युक्त पंक्तियों का आशय है कि धन नाश होने वाली वस्तु है। अत: हमें ऐसी वस्तु को इकट्ठा नहीं करना चाहिए जो नष्ट होने वाली हो। बल्कि हमें ऐसी वस्तु का संग्रह करना चाहिए जो कभी नष्ट न हो और ऐसी वस्तु ज्ञान के

अलावा और कोई नहीं है।

ii. आप राजा .... होती है।

आशय—प्रस्तुत पंक्तियों में जब विरोचन ने सुधन्य को अपने बराबर में बैठने को कहा, तो सुधन्य बोला, दो समान व्यक्ति ही एक-दूसरे के बराबर में बैठ सकते हैं और मुझमें और आपमें कोई समानता नहीं है। क्योंकि आप एक राजा हैं और मैं एक मामूली सा ऋषिपुत्र हूँ। आपके पास बहुत सारी धन संपदा है और मेरे पास विद्या के अलावा कुछ भी नहीं है।

भाषा-ज्ञान

(क) दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– i. व्यक्ति — **मानव**

ii. विवाह — **पाणिग्रहण**

(ख) निम्नलिखित उपसर्गों से बने एक-एक शब्द पाठ में से चुनकर लिखो और एक-एक अन्य शब्द बनाओ–

उत्तर– i.	अ	—	**अद्वितीय**	**अविश्वास**
ii.	वि	—	**विदेश**	**विज्ञान**
iii.	नि:	—	**निर्धन**	**नि:संदेह**
iv.	आ	—	**आजीवन**	**आमरण**

(ग) निम्नलिखित समस्त पदों का समास-भेद पहचानो–

उत्तर– i.	ऋषिकुमार	—	द्वंद्व समास/**तत्पुरुष समास**
ii.	वाद-विवाद	—	तत्पुरुष समास/**द्वंद्व समास**
iii.	रूप-गुण	—	**द्वंद्व समास**/तत्पुरुष समास
iv.	घुड़सवार	—	**तत्पुरुष समास**/द्वंद्व समास
v.	राजभवन	—	**तत्पुरुष समास**/द्वंद्व समास
vi.	आदर-सत्कार	—	**द्वंद्व समास**/तत्पुरुष समास
vii.	धन-संपदा	—	तत्पुरुष समास/**द्वंद्व समास**

(घ) अर्थ लिखकर वाक्य मे प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट करो–

उत्तर–

		अर्थ	
दिन	—	दिवस	गरमियों के **दिन** बड़े होते हैं।
दीन	—	गरीब	उस भिखारी की बड़ी ही **दीन** अवस्था थी।
अन्न	—	अनाज	सुबह से **अन्न** का एक दाना भी मुँह में नहीं गया।
अन्य	—	दूसरा (कोई)	रमा प्रभा से बोली, फिल्मों के अलावा कोई **अन्य** बात करो।
कोश	—	अकारादि क्रम	मैंने एक हिंदी का शब्द-**कोश** खरीदा है।
कोष	—	समूह	राज**कोष** में बहुत सारी स्वर्ण मुद्राएँ थीं।
कपट	—	छल, धोखा	रावण छल-**कपट** से सीताजी को चुरा कर ले गया।

कपाट — दरवाजा ग्रहण पड़ने से पहले मंदिरों के **कपाट** बंद हो जाते हैं।
सुना — सुनना रोहित ने पूरा पाठ याद करके मुझे **सुना** दिया।
सूना — अशब्द बेटे के पढ़ने के लिए विदेश जाने पर दीया का घर **सूना** हो गया।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखो–

उत्तर–

राजकुमारी	राजकुमार	पिता	माता
ब्राह्मण	ब्राह्मण	देवता	देवी
राजपुत्री	राजपुत्र	गुणवान	गुणवती

(च) पाठ से तीनों प्रकार की दो-दो संज्ञाएँ ढूँढकर लिखो–

उत्तर–

व्यक्तिवाचक संज्ञा	—	**विरोचन**	**सुधन्य**
जातिवाचक संज्ञा	—	**ऋषिकुमार**	**दानवराज**
भाववाचक संज्ञा	—	**सांसारिक**	**सानवान**

(छ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर–

i.	विवाह	=	**शादी**	**पाणिग्रहण**
ii.	धन	=	**रुपया**	**मुद्रा**
iii.	निर्धन	=	**गरीब**	**धनहीन**
iv.	सुंदर	=	**रमणीय**	**सुरम्य**
v.	राजा	=	**भूपति**	**नरेश**
vi.	घोड़ा	=	**अश्व**	**तुरंग**
vii.	संग्रह	=	**एकत्रित**	**इकट्ठा**
viii.	पुत्र	=	**बेटा**	**सुत**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

14 पिता का पत्र

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. पिता ने पुत्री को पत्र उस अवसर पर लिखा जब उसको कैंसर जैसी असाध्य बीमारी के बारे में शोध करने तथा उपलब्धि हासिल होने पर गोल्ड मेडल मिलना था।

ii. पिता के लिए दोहरी खुशी यह है कि एक तो पुत्री और पिता दोनों ने मिलकर जो लक्ष्य तय किया था वह पूरा हुआ और दूसरा पिता के मन में जो अपराध-बोध पल रहा था, आज उससे पिता को मुक्ति मिली।

iii. पिता कहते हैं कि जब तुम मास्क लगाकर कैंसर के जानलेवा सैल्स इकट्ठे करने के लिए अस्पताल-अस्पताल घूमती हो तो मुझे तुम पर गर्व होता है।

iv. विज्ञान ने आज सिद्ध कर दिया है कि लड़की होना सिर्फ एक जैविक सच्चाई है।

v. पत्र के अंत में पिता अपनी पुत्री से गोल्ड मेडल लेते हुए एक फोटो अपनी नीरू बुआ को भेजने को कहते हैं क्योंकि बुआ को बहुत अच्छा लगेगा।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. लड़की होने को कमजोरी नहीं समझाना है।

2. iv. महिलाओं को महत्त्वपूर्ण भूमिकाओं से अलग रखा गया।

3. iii. पिता अपनी दुनिया में ही व्यस्त थे।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. पिता ने यह भूल की थी कि अपनी पढ़ने योग्य बहन को एक साधारण लड़की समझकर उस पर ध्यान नहीं दिया जिससे बहन पढ़ नहीं पाई। उन्होंने अपना भूल-सुधार अपनी बेटी को पढ़ाकर किया।

ii. पिता ने अपनी पुत्री से कहा है—हमें दो तरह से लड़ाई लड़नी है—एक तो पुराने संस्कारों से, दूसरे इस नई उपभोक्ता संस्कृति से जो स्त्री के सम्मान को बार-बार चोट पहुँचाती है।

iii. जैविक सच्चाई और सामाजिक सच्चाई से तात्पर्य यह है कि हमारे समाज में आज भी लड़कियों को बोझ समझा जाता है तथा लड़की पैदा होने पर एक औरत का निरादर किया जाता है जबकि सच्चाई इसके बिल्कुल विपरीत है। आज विज्ञान का युग है और विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि लड़की होना सिर्फ एक जैविक सच्चाई है। इसमें औरत का कोई हाथ नहीं है।

iv. पत्र के आधार पर निरुपमा बुआ का व्यक्तित्व इस प्रकार का था—निरूपमा बुआ हर काम बहुत जल्दी सीख लेती थी तथा पढ़ाई के साथ-साथ माँ के काम में हाथ बँटाती, पिता जी के नहाने के लिए गरम पानी रखती, छत पर कपड़े सूखने डालती। घर के सारे काम करने के साथ-साथ निरूपमा बुआ पढ़ाई में भी बहुत होशियार थी।

v. पिता का व्यवहार अपनी बहन के साथ वैसे तो ठीक था लेकिन जब बहन ने उनसे आगे पढ़ने के लिए कहा था तब उन्होंने उनकी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया था। अपनी उसी भूल का प्रायश्चित करने के लिए उन्होंने अपनी बेटी को खूब पढ़ाया।

भाषा-ज्ञान

(क) दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद करो–

उत्तर– i. गूँज = **ग् + ऊ + न् + ज् + अ**

ii. हॉल = **ह + ऑ + ल् + अ**

iii. प्रक्रिया = प् + र् + क् + र् + इ + य + आ

iv. उपलब्धि = **उ + प् + अ + ल् + अ + ब + ध् + इ**

v. मुक्ति = **म् + उ + क् + त् + इ**

(ख) दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. इच्छा = **चाह** **अभिलाषा**

ii. समारोह = **उत्सव** **आयोजन**

iii. बुद्धिमान = **अक्लमंद** **ज्ञानी**

iv. कठिन = **दुष्कर** **मुश्किल**

(ग) समान ध्वनि वाले दो-दो शब्द बनाओ–

उत्तर– i. सकारात्मक = **कथात्मक** **नकारात्मक**

ii. सजावटी = **दिखावटी** **बनावटी**

iii. बिकाऊ = **दिखाऊ** **बुलाऊ**

iv. गड़गड़ाहट = **तड़तड़ाहट** **बड़बड़ाहट**

(घ) रेखांकित शब्दों के कारक के भेद लिखकर वाक्य पढ़ो–

उत्तर– i. करण कारक ii. संबंध कारक

iii. अपादान कारक iv. अधिकरण कारक

v. अधिकरण कारक।

(ङ) नीचे लिखे वाक्यों में खाली स्थानों की पूर्ति कि/की लिखकर करो–

उत्तर– i. क्या तुम विद्यालय **की** पिकनिक पर जाओगी?

ii. माँ ने बताया **कि** कल मेरी नानी आएँगी।

iii. पेड़ **की** डाली फूलों से लदी हुई है।

iv. पिता जी **की** चिट्ठी आई है।

v. उन्होंने लिखा है **कि** उनका तबादला हो गया है।

(च) दिए गए वाक्यों में क्रियाविशेषण के भेद लिखो–

उत्तर– i. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ii. रीतिववाचक क्रियाविशेषण

iii. कालवाचक क्रियाविशेषण

iv. कालवाचक, परिमाणवाचक क्रिया विशेषण

v. स्थानवाचक, रीतिवाचक क्रिया विशेषण

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

15 आया प्रभात

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दों–

उत्तर– i. सुबह होने पर धरातल और अंबर तल सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित होकर सज गया।

ii. दिन और रात सौंदर्य में नहाए हुए हैं।

iii. सुबह के समय धरती नई दिखाई देती है।

iv. प्रभात होने पर सभी दिशाओं में मनोहर सुगंध फैल गई है।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. प्रकाश से 2. i. रात-दिन

3. iii. सूर्य की किरणों की वर्षा 4. i. मनोहर सुगंध

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. प्रात:काल होने पर जीवन में नई उमंग भर गई है।

ii. 'तन-मन तरल होने' का आशय है—सुनहरी किरणों में तन-मन का भीग जाना।

iii. धरती को ऋतुमती इसलिए कहा गया है क्योंकि पृथ्वी पर अनेक ऋतुएँ होती हैं। अत: धरती को ऋतुमती अर्थात् ऋतुओं से युक्त कहा गया है।

iv. 'परिवर्तन जीवन का नियम है' जिस प्रकार कविता में रात्रि के बाद प्रभात हुआ है और प्रभात होते ही प्रकृति में परिवर्तन होने शुरू हो गए हैं उसी प्रकार जीवन में भी हर दुख के बाद सुख और सुख के बाद दुख आता है।

(घ) कविता से निम्नलिखित अर्थों वाली पंक्तियाँ ढूँढ़ो–

उत्तर– i. जिसमें जीवन का लास-हास।

ii. जिसमें भव की द्‌युति का प्रसार।

iii. कंचन-वर्षा होती अविरल।

iv. दिग्दिक व्यापी मंजुल सुवास।

कुछ अलग नया

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) दिए गए तत्सम-तद्भव शब्दों को उचित स्थान पर लिखो–

उत्तर–

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
सौंदर्य, **नव**	**धरती**, बारिश
रात्रि, वर्षा	**दिन, सूरज**

(ख) शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर–
i. सोना — **स्वर्ण, कंचन**

ii. पृथ्वी — **धरा, भू**

iii. आकाश — **अंबर, आसमान**

iv. बिजली — **विद्‌युत, चपला**

v. रात — **रात्रि, निशा**

(ग) उदाहरण के अनुसार शब्दों का वर्ण-विच्छेद करें–

उत्तर–
i. मछली — **म् + अ + छ् + अ + ल् + ई**

ii. प्रभात — **प् + र् + भ् + आ + त् + अ**

iii. अभिनव — **अ + भ् + इ + न् + अ + व् + अ**

iv. अंबर — **अ + म् + ब् + अ + र् + अ**

(घ) रेखांकित शब्दों का संज्ञा भेद लिखें–

उत्तर– i. भाववाचक संज्ञा   ii. भाववाचक संज्ञा
iii. भाववाचक संज्ञा   iv. भाववाचक संज्ञा

(च) शब्दों में अनुस्वार के स्थान पर नासिक्य ध्वनि (पंचम वर्ण) लिखो–

उत्तर– i. अंबर **म्**   iv. अंक **न्**
ii. सुंदर **न्**   v. ठंडक **न्**
iii. मंजल **न्**   vi. सुगंध **न्**

(छ) निर्देशानुसार सर्वनाम से रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– i. **वे** यहाँ कब पहुँचेंगे।
ii. अपना गृहकार्य **स्वयं** करो।
iii. दीवार पर **शायद कुछ** चिपका है।
iv. तुम लोग अब तक **क्या** कर रहे थे?
v. जिसकी पुस्तक है **उसे** बुलाओ।
vi. **किताब** वहाँ रख दो।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

नीचे दी गई कविता की अधूरी पंक्तियाँ पूरी करें–

उत्तर– खत्म हो गया, सारा काम
किसान भी करता दिन को प्रणाम।

16 हृदय-परिवर्तन

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. कहानी के लेखक का नाम भीष्म साहनी है।
ii. लेखक की माँ उसके दोस्त को राक्षस कहकर पुकारती थी क्योंकि वह निरीह जानवरों को तंग किया करता था।
iii. बोधराज ने मैना का घोंसला गैराज में लाकर रख दिया था क्योंकि चील वहाँ पर नहीं आ सकती थी।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. i. वह दूसरों को कष्ट पहुँचाता था
2. iii. दीवार फाँदने के लिए   3. ii. गोदाम में
4. i. चील से   5. iii. चुग्गे

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. लेखक ने बोधराज को जालिम इसलिए कहा, क्योंकि बोधराज के हृदय में दया

नहीं थी और वह निरीह जानवरों तथा पक्षियों को सताता रहता था।

ii. बोधराज ने गोह के बारे में अपने साथियों को बताया कि गोह साँप जैसा एक जानवर होता है, बालिश्वभर लंबा, मगर उसके आठ पैर होते हैं। चोर दीवार फाँदने के लिए गोह को अपने पास रखते हैं। क्योंकि गोह इतनी मजबूती से दीवार को पकड़ती है कि दस आदमियों के खींचने पर भी गोह दीवार नहीं छोड़ती है। और चोर उसके सहारे दीवार फाँद जाते हैं और फिर उसको दूध पिलाते हैं क्योंकि दूध पीते ही गोह के पंजे ढीले पड़ जाते हैं।

iii. लेखक की माँ उसे बोधराज के साथ खेलने को इसलिए मना करती थी क्योंकि माँ को उसकी आदतें पसंद नहीं थीं।

iv. बोधराज ने मैना के बच्चे को गोदाम से हटाकर गैराज में पहुँचा दिया क्योंकि चील गैराज तक नहीं पहुँच सकती थी और बच्चे वहाँ सुरक्षित थे।

v. मैना के बच्चों का चिल्लाना देखकर तथा चील को उन पर झपटते देखकर उसका अंजाम सोचकर बोधराज का हृदय द्रवित हो उठा।

(घ) किसने, किससे कहा–

उत्तर– i. माँ ने, लेखक से   ii. बोधराज ने, लेखक से

iii. बोधराज ने, लेखक से

कुछ अलग नया-

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर–

i.	दूध	=	**पय**	**दुग्ध**	**क्षीर**
ii.	पक्षी	=	**खग**	**विहग**	**पखेरू**
iii.	माँ	=	**जननी**	**माता**	**अम्बा**
iv.	राक्षस	=	**निशाचर**	**असुर**	**दानव**
v.	घर	=	**ग्रह**	**निकेत**	**मकान**

(ख) इस पाठ से तीनों प्रकार की दो-दो संज्ञाएँ ढूँढकर लिखो–

उत्तर–

i.	व्यक्तिवाचक संज्ञा	**बोधराज**	**भीष्म साहनी जी**
ii.	जातिवाचक संज्ञा	**मैना**	**गोह**
iii.	भाववाचक संज्ञा	**बचपन**	**मटरगश्ती**

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर– i. मैं और मेरे सभी सहपाठी उससे डरते थे।

ii. उसे कभी कोई खेल नहीं सूझता था।

iii. मगर बोधराज न जाने कहाँ घूमता रहता था।

iv. दूध पीते ही गोह के पंजे ढीले पड़ जाते हैं।

v. चील अपने घोंसले में लौटी है।

(घ) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाओ–

1. iii. दैत्य, दानव 2. i. वर्तमान काल

3. ii. जातिवाचक संज्ञा 4. ii. घबरा जाना

(ङ) निम्नलिखित क्रियाओं का तीनों कालों में प्रयोग कर वाक्य बनाओ–

उत्तर– i. **पकड़ना = वर्तमान काल**

बोधराज तितलियों को पकड़कर उँगलियों से मसल डालता है।

पकड़ना = भूतकाल

बोधराज बर्र को पकड़कर धागे से बाँधकर उड़ा देता था।

पकड़ना = भविष्यत् काल

बोधराज ने कहा, कि वह चिड़ियों को पकड़ेगा।

ii. **उड़ना = वर्तमान काल**

बाग में तितलियाँ उड़ रही हैं।

उड़ना = भूतकाल

बाग में तितलियाँ उड़ रही थी।

उड़ना = भविष्यत् काल

बाग में पंछी उड़ेंगे।

iii. **खेलना = वर्तमान काल**

सोहन गुल्ली डंडे से खेल रहा है।

खेलना = भूतकाल

कल हम सबने कैरम खेला।

खेलना = भविष्यत् काल

कल हम सब क्रिकेट खेलेंगे।

iv. **बैठना = वर्तमान काल**

गीता मंदिर में बैठी है।

बैठना = भूतकाल

मैंने देखा, श्यामू और नंदू पास-पास बैठे थे।

बैठना = भविष्यत् काल

कल कक्षा में सभी विद्यार्थी नीचे दरी पर बैठेंगे।

(च) उचित स्थान पर अनुस्वार/अनुनासिक का प्रयोग करो–

उत्तर– i. टाग = **टाँग** v. साप = **साँप**

ii. अडे = **अंडे** vi. लबा = **लंबा**

iii. काटे = **काँटे** vii. मा = **माँ**

iv. ककड़ = **कंकड़** viii. स्वय = **स्वयं**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. मनुष्य को सामाजिक प्राणी इसलिए कहा गया है क्योंकि मनुष्य समाज में ही जन्म लेता है, पलता और बढ़ता है। जिस प्रकार के लोगों के बीच वह रहता हे उसी का प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव उस पर पड़ता है।

ii. बुरे लोगों के साथ से मनुष्य के अंदर भी बुरी आदतें पनपने लगती हैं।

iii. हमें अच्छे लोगों के साथ इसलिए रहना चाहिए क्योंकि ऐसे लोगों के साथ से हमारे अंदर भी अच्छी आदतें आती हैं।

iv. मित्र ऐसा होना चाहिए जिसके गुणों का न केवल आप मान करें, अपितु वे सबको लुभाने में समर्थ हों।

(ख) सही विकल्प चुने–

उत्तर– 1. ii. सामाजिक 2. i. मातृभाषा 3. iii. वन अधिकारियों ने

4. ii. दया, परोपकार, साहस, विवेक आदि गुण आ जाते हैं

5. ii. पंडित रामचंद्र शुक्ल ने

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. समाज के वातावरण का प्रभाव मानव पटल पर पड़ता है। यही कारण है कि यदि मनुष्य गुणवान, चिंतनशील व सज्जन लोगों की संगति में उठता-बैठता है, तो उसमें भी समय के साथ-साथ सदबुद्धियाँ जागृत होने लगती हैं।

ii. बंगाल में एक नन्हीं बालिका को भेड़िया उठा ले गया था। कुछ वर्ष बाद वन-अधिकारियों ने उस बालिका को भेड़िए के शिकंजे से मुक्त कराया। परंतु इन कुछ वर्षों में वह बालिका भेड़ियों की भाँति चलना-फिरना, खाना तथा आवाज निकालना सीख गई थी। शुरु-शुरू में तो चिकित्सकों तथा मनोवैज्ञानिकों ने उसे आम मनुष्यों की भाँति रखने का प्रयास किया, परंतु अपने वातावरण के इस बदलाव से या अन्य कारणों से वह अधिक दिन तक जीवित नहीं रह पाई। इस प्रकार यह भेड़िया बालिका इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि संगति का मानव मन तथा व्यवहार पर कितना प्रभाव पड़ता है।

iii. 'सत्संगति सुगंध से भरपूर उपवन है।''—इस कथन का तात्पर्य यह है कि सत्संगति एक ऐसे बाग के समान हे जिसमें रहकर मनुष्य के अंदर दया, परोपकार, साहस, विवेक आदि गुण ऐसे ही विकसित होते हैं जैसे किसी बाग में विभिन्न प्रकार के पुष्प खिलते हैं।

iv. संगति के प्रति सतर्क रहना इसलिए आवश्यक है क्योंकि सतर्क रहकर ही समाज को अच्छाइयों की राह पर अग्रसर करने में हम अहम् भूमिका निभा पाएँगे।

v. इस पंक्ति से यह आशय है कि जिस प्रकार काजल की कोठरी में जाने पर न

चाहते हुए भी कालिख लग ही जाती है उसी प्रकार कुसंगति से बुरी आदतें स्वत: ही आ जाती हैं।

कुछ अलग नया

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. वन — **जंगल, विपिन**
ii. आम — **साधारण, साम्राज्य**
iii. सोना — **कनक, स्वर्ण**
iv. छात्र — **विद्यार्थी, शिवय**
v. सुगंध — **महक, खुशबू**
vi. विकास — **उन्नति,प्रगति**

(ख) निम्नलिखित शब्दों में आए श, ष और स के उच्चारण पर ध्यान दें।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

(ग) निम्नलिखित शब्दों का वाक्य प्रयोग करो–

उत्तर– i. चल — बच्चा **चल** रहा है।
ii. उठ — बच्चा सोकर **उठ** गया।
iii. रो — बच्चा **रो** रहा है।
iv. नाच — भालू **नाच** रहा है।
v. दौड़ — मोहन **दौड़** रहा है।

(घ) इत, इक, ता और ई प्रत्यय वाले शब्द पाठ में से छाँटकर लिखें।

उत्तर– आकर्षित, प्रभावित, दार्शनिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, रचनात्मकता, संगति, प्रवृत्ति, डकैती, विध्वंसकारी।

(ङ) निम्नलिखित वाक्य पढ़ें और रंगीन शब्द पर ध्यान दें।

उत्तर– i. सत्संगति सुगंध से भरपूर वह उपवन है, जिसकी कल्पना **ही** हमें तरो-ताजा कर देती है।
ii. कुसंग से व्यक्ति व समाज, दोनों का **ही** अहित होता है।

(च) उचित स्थान पर अनुस्वार-अनुनासिक का प्रयोग करें–

उत्तर– i. जगल **जंगल**
ii. सदेह **संदेह**
iii. अधेरा **अँधेरा**
iv. चदन **चंदन**
v. गभीर **गंभीर**
vi. आख **आँख**
vii. कहा **कहाँ**
viii. बधन **बंधन**
ix. कुसग **कुसंग**
x. अधकार **अंधकार**
xi. अत्यत **अत्यंत**
xii. भाति **भाँति**

(छ) 'न' और 'नहीं' का प्रयोग करते हुए वाक्य लिखों—

उत्तर– i. न जाने आज मोहन इतना उदास क्यों है।
ii. सेठ जी ने आज तक किसी के सामने सिर नहीं झुकाया था।
iii. हमें बुरे लोगों की संगति नहीं करनी चाहिए।
iv. अंधी के पास धन नहीं था।

(ज) निम्नलिखित शब्दों को उलटा करके पढ़ो–

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

18 हमारे तीर्थ

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. चार प्रमुख धाम जगन्नाथ पुरी, द्वारिका, बदरीनाथ तथा रामेश्वरम् हैं।

ii. अयोध्या का शाब्दिक नाम मोक्ष नगरी है।

(ख) सही कथन के सामने (✓) तथा गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– i. (✓) ii. (✗) iii. (✓) iv. (✗) v. (✓)।

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. काशी को कपालमोचन तीर्थ इसलिए कहते हैं क्योंकि यहाँ पर शिवजी को कपाल रूपी भिक्षा-पात्र से मुक्ति मिली थी।

ii. पुष्कर भारत का एक मात्र ऐसा तीर्थ है, जहाँ ब्रह्माजी का मंदिर है। पुराने मंदिर को धर्मांध औरंगजेब ने तुडवा दिया था। वर्तमान मंदिर का निर्माण गोकुलचंद पारीख नामक सिंधिया के मंत्री ने सन् 1809 ई० में करवाया था। ब्रह्मा के मंदिर में मूर्ति के चार सिर हैं। कहते हैं कि प्रारंभ में ब्रह्मा के पाँच सिर थे, किंतु शिवजी ने नाखून के आघात से एक सिर समाप्त कर दिया था। ब्रह्मा के सिर की हत्या का प्रायश्चित करने हेतु शिव भिक्षा-पात्र के रूप में कपाल लेकर तीर्थाटन को निकले।

iii. पदम पुराण के अनुसार—एक बार देवताओं को राक्षसों ने बहुत तंग करना प्रारंभ कर दिया था। वे उन्हें पूजा-पाठ तथा यज्ञादि नहीं करने देते थे। देवताओं को राक्षसों से बचने का कोई उपाय न सूझा। ऐसी स्थिति में ब्रह्मा एक महायज्ञ के लिए उपयुक्त स्थान की खोज में निकले। जिस समय वे पुष्कर के निकट वन में विचरण कर रहे थे, वृक्षों ने उन पर पुष्पों की वर्षा कर उनका स्वागत किया। उस वन की सुंदरता पर ब्रह्मा ने मुग्ध होकर उनसे वरदान माँगने को कहा। वृक्षों ने उनसे सदैव वहीं रहने का अनुरोध किया। ब्रह्मा मान गए। एक दिन ब्रह्मा जी ने अपने कर के कमल को भूमि पर छोड़ दिया। उसकी भयंकर आवाज से पृथ्वी में कंपन हो गया। देवताओं द्वारा पूछे जाने पर ब्रह्मा ने बताया कि ब्रजनाभ नामक दैत्य उस क्षेत्र के बालकों को खा रहा था। उन्होंने मंत्र पढ़कर कमल द्वारा उसे मार दिया। जिस स्थान पर कमल गिरा, वह स्थान पुष्कर के नाम से विख्यात हो गया।

iv. अयोध्या के बारे में जनश्रुति है कि आज भी देवतागण इस पुण्यस्थली के दर्शनार्थ आते हैं।

v. अयोध्या को साकेत, कोशलनगर, विनीता, इक्ष्वाकु, भूमि, कोशल तथा श्रीरामपुरी जैसे अनेक नामों से पुकारा गया। यह मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद की जन्मस्थली है। अयोध्या स्मृति भवनों के लिए विख्यात है। यहाँ कही न कहीं रामकथा होती रहती है। अयोध्या के अखाड़े देशभर में प्रसिद्ध हैं। निर्वाणी, निर्मोही, खाकी, दिगंबर, संतोषी महानिर्वाणी, गूंदड़ आदि अखाड़े आज भी अपने अतीत को यथावत् बनाए हुए हैं।

vi. अयोध्या परिक्रमाओं के लिए भी विख्यात है। यहाँ की चौरासी कोस की परिक्रमा प्रसिद्ध है। यह परिक्रमा चैत्र की पूर्णिमा से प्रारंभ होती है तथा वैशाख शुक्ल की नवमी तक चलती है अयोध्या में चौदह कोसी, परिक्रमा भी होती है जो कार्तिक मास में अक्षय नवमी से पूर्णिमा तक और श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया से पूर्णिमा तक संपन्न होती है। इसके अलावा अयोध्या में और भी उत्सव होते हैं। रथयात्रा आषाढ़ में, झूला श्रावण में, सरयू-स्नान परिक्रमा कार्तिक में राम-विवाह अगहन में और रामनवमी चैत्र में। इन उत्सवों का धर्म लाभ उठाने भक्तजन दूर-दूर से आते हैं।

(घ) उचित शब्द लिखकर रिक्त स्थान भरो–

उत्तर– i. पुष्कर के **यज्ञ** कुंड के निकट अगस्त्य मुनि की तपस्थली है।

ii. जिस स्थान पर कमल गिरा, वह स्थान **पुष्कर** के नाम से विख्यात हो गया।

iii. भारत तीर्थों का **घर** है।

iv. अयोध्या **परिक्रमाओं** के लिए भी विख्यात है।

v. पुष्कर ही भारत का **एकमात्र** तीर्थ है, जहाँ ब्रह्माजी का मंदिर है।

(ङ) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट करो–

उत्तर– i. हम .... नहीं।

भाव—उपर्युक्त पंक्ति का भाव यह है कि तीर्थ स्थानों में हमें ईश्वर की प्रत्यक्ष अनुभूति होती है लेकिन वर्तमान समय में तीर्थ स्थानों पर अनेक ठग विभिन्न प्रकार के भेष बनाकर लोगों को ठगते हैं। तो आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति का मन पवित्र तथा सुंदर हो तभी जीवन सफल हो सकता है।

ii. मनुष्य .... नहीं होता।

भाव—उपर्युक्त पंक्तियों में बताया गया है कि मनुष्य अपने जीवन में ईश्वर को प्राप्त करना चाहता है परंतु वह अपने दैनिक जीवन की जरुरतों को पूरा करने में इतना उलझ जाता है कि उसे भगवद् प्राप्ति का ध्यान ही नहीं रहता। अत: हमें अपने दैनिक कार्यों का निर्वाह करते हुए भगवद् भक्ति की तरफ भी ध्यान देना चाहिए।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित वाक्यों में छपे रंगीन पद व्याकरण की दृष्टि से क्या हैं? लिखो–

उत्तर– i. जातिवाचक संज्ञा।

ii. व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में छपे रंगीन शब्दों के कारक बताइए–

उत्तर– i. संबंध कारक ii. कर्ता, अधिकरण, संबंध

(ग) निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. ज्येष्ठ — राम दशरथ के **ज्येष्ठ** पुत्र थे।

ii. जनश्रुति — **जनश्रुति** है कि आज भी देवतागण इस पुण्यस्थली के दर्शनार्थ आते हैं।

iii. धर्मांध — मनुष्य को **धर्मांध** नहीं बनना चाहिए।

iv. ध्वस्त — तूफान आने पर कभी-कभी इमारतें तक **ध्वस्त** हो जाती हैं।

v. पुण्य — हमें हमेशा **पुण्य** कर्म करने चाहिए।

(घ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताओ–

उत्तर– i. कुंड **पुल्लिंग** ii. भवन **पुल्लिंग**

iii. कथा **स्त्रीलिंग** iv. मेला **पुल्लिंग**

v. मंदिर **पुल्लिंग** vi. वृक्ष **पुल्लिंग**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– i. दुर्लभ **कठिन** iv. वांछित **इच्छित**

vii. निराश **दुखी** ii. सुयोग **अच्छा योग**

v. योग्य **लायक** viii. जग **संसार**

iii. आहुति **अर्पण** vi. कनिष्ठ **छोटा**

ix. ज्येष्ठ **बड़ा**

(च) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– i. देवता **दैत्य** iii. पुण्य **पाप**

v. सुंदरता **कुरूपता** ii. मुक्ति **बंधन**

iv पवित्र **अपवित्र** vi धर्म **अधर्म**

(छ) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के नीचे रेखा खींचो–

उत्तर– i. काशी में ईश्वर जी रहते थे।

iv. मेरे घर में एक मंदिर है।

ii. उनके पास एक पुस्तक थी।

v. हैरानी आँखों की पलकों पर छाई हुई थी।

iii. पिंजरे के तोते ने जवाब दिया।

(ज) उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– i. हम उस **बँगले** में रहते हैं।

ii. यह सड़क तीस **फुट** चौड़ी है।

iii. इस **कारखाने** के मालिक आज नहीं आए हैं।

iv. उसकी **आँखों** से पानी बह रहा है।

v. अध्यापिका जी कक्षा के सारे **लड़कों** को बुला रही हैं।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भारत का अनमोल रत्न : सचिन

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. सचिन को भारत का अनमोल रत्न इसलिए कहा गया है क्योंकि उन्होंने भारत को अपने हुनर के माध्यम से एक अलग पहचान दिलाई है।

ii. सचिन तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल, 1973 को मुंबई में हुआ।

iii. सचिन ने 15 वर्ष की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया।

iv. सचिन ने टेस्ट क्रिकेट को 16 नवंबर 2013 को अलविदा कहा।

v. सचिन द्वारा क्रिकेट खिलाड़ियों को दिए गए परामर्श निम्न हैं—एकाग्रता, निरंतर अभ्यास, खेल की समझदारी, खेल-कौशल में सुधार, आत्मविश्वास।

(ख) सही विकल्प चुनो–

उत्तर– 1. ii. इंग्लैंड 2. ii. 49

3. i. 23 दिसंबर 2012 4. iii. वेस्टइंडीज

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. सचिन तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल, 1973 को मुंबई में हुआ। इनके पिता रमेश तेंदुलकर मराठी के कलाकार थे। सचिन का सपना एक तेज गेंदबाज बनने का था। इसके लिए उन्होंने चेन्नई की विश्वस्तरीय एम०आर०एफ० ऐकेडमी में दाखिला लिया और वहाँ के प्रसिद्ध तेज गेंदबाज डेनिस लिली ने उन्हें सिर्फ बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। सचिन ने शारदा आश्रम विद्या-मंदिर हाई स्कूल में पढ़ाई की ओर वहीं कोच अचरेकर की देख-रेख में अपना क्रिकेट का सफर आरंभ किया।

ii. सचिन की महानता उस गरिमा में है जिसके साथ वे क्रीज पर उतरते हैं। अथवा उस महारथ में जो उन्होंने खेल में हासिल की है। लेकिन फिर भी वे क्रिकेट के सेवक बने हुए हैं।

iii. यह निर्विवाद सत्य है कि लंबे समय के बाद क्रिकेट की दुनिया ने सचिन जैसा महान बल्लेबाज देखा है। उनके जैसे विनम्र, लेकिन देश के लिए खेलने वाले खिलाड़ी इन दिनों बहुत कम दिखाई देते हैं। क्रिकेट को लेकर समस्त राष्ट्र की आशाएँ उन पर टिकी रहती हैं। वे दृढ़ आत्मविश्वास के साथ खेलते हैं। वे टेस्ट व एकदिवसीय दोनों प्रकार के क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट में 14000 से अधिक रन बनाने वाले वे विश्व के एकमात्र खिलाड़ी हैं।

iv. सचिन की क्रिकेट-यात्रा तब आरंभ हुई जब सचिन के भाई ने उन्हें प्रख्यात कोच रमाकांत अचरेकर से मिलवाया। आरंभ में मिली असफलता से सचिन निराश हो गए थे। पर कोच ने उन्हें क्रिकेट सीखने का मौका दिया।

v. सचिन जब क्रिकेट मैदान पर होते थे, तब पूरा क्रिकेट स्टेडियम शांत हो जाता था। सभी का ध्यान सचिन के खेल पर केंद्रित हो जाता था।

vi. सचिन की प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं—

सचिन ने सबसे अधिक 200 टेस्ट मैच खेले हैं।

सबसे पहले 10,000 टेस्ट रन बनाने का विश्वरिकॉर्ड। यह रिकॉर्ड उन्होंने 195 टेस्ट पारियों में बनाया।

वे टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 55.44 की औसत से सर्वाधिक रन (15,470) बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

सचिन टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक शतक (51) बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

विदेशी भूमि पर सर्वाधिक टेस्ट रन (8,145) और टेस्ट शतक (२९) बनाने का विश्व कीर्तिमान।

वे एक दिवसीय मैचों में सर्वाधिक रन (18,426) बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

सचिन ने एक दिवसीय मैचों में सबसे अधिक शतक (49) और अर्धशतक (96) बनाए हैं।

सचिन को सबसे अधिक बार (16 बार) मैन ऑफ द सीरिज और 62 बार मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया है।

सचिन ने टेस्ट और एकदिवसीय मैचों में सर्वाधिक (51 + 49) 100 शतक तथा 34,347 रन बनाए हैं।

मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ 100 वाँ शतक बनाया। सचिन ने अपने एकदिवसीय करियर में सर्वाधिक विश्वकप खेलने का कीर्तिमान भी बनाया।

vii. सचिन क्रिकेट खिलाड़ियों को पाँच परामर्श देते हैं—1. एकाग्रता, 2. निरंतर अभ्यास, 3. खेल की समझदारी, 4. खेल-कौशल में सुधार, 5. आत्मविश्वास।

कुछ अलग नया-

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

(क) दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. वक्त **समय, प्रहर** iii. स्कूल **विद्यालय, पाठशाला**

ii. दुनिया **संसार, जग** iv. सफलता **उपलब्धि, कामयाबी**

(ख) दिए गए वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्द रेखांकित करके भेद भी लिखो–

उत्तर– i. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

ii. स्थानवाचक क्रियाविशेषण

iii. परिणामवाचक क्रियाविशेषण

iv. अनिश्चयवाचक रीतिवाचक क्रियाविशेषण

v. रीतिवाचक क्रियाविशेषण।

(ग) आप भी चार भाववाचक संज्ञाएँ लिखो।

उत्तर– एकाग्रता, समझदारी, पारिवारिक, खिलाड़ी।

(घ) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग-प्रत्यय अलग करके लिखो–

उत्तर–

शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय	शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय
अनुशासन	**अनु**	—	पारिवारिक	—	**इक**
विवाद	**वि**	—	प्रायोजित	**प्रा**	—

प्रतिक्रिया	**प्रति**	—	सम्मानित	—	**इत**
उत्साहित	—	**इत**	दिवसीय	—	**ईय**
स्तरीय	—	**ईय**			

(ङ) नीचे दिए गए रेखांकित पदों में सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण पहचानो–

उत्तर–

	सर्वनाम	**सार्वनामिक विशेषण**
i.	यह	निश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण
ii.	यह	अनिश्चयवाचक सार्वनामिक विशेषण
iii.	कौन	प्रश्नवाचक सार्वनामिक विशेषण
iv.	कौन-सी, कौन	प्रश्नवाचक सार्वनामिक विशेषण

(च) निम्नलिखित वाक्यों में करण कारक और अपादान कारक की पहचान करो–

उत्तर– **अपादान कारक**

i. अपादान कारक ii. करण कारक iii. अपादान कारक

iv. अपादान कारक v. करण कारक।

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

20 निबाह ले स्वधर्म को

अभ्यास-माला

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दो–

उत्तर– i. प्रस्तुत कविता के रचयिता अनिल कुमार शर्मा हैं।

ii. इस कविता के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहता है कि यदि हम भलाई के कार्य करते हैं तो हमारा स्वयं भला हो जाता है। अत: मनुष्य को भलाई के कार्य करने चाहिए।

(ख) सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– 1. iii. मानवता 2. ii. भला

3. i. मसीबतों से डरने वाला 4. i. स्वार्थी

5. iii. अधर्म

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– i. स्वधर्म से कवि का तात्पर्य अपने धर्म से है।

ii. कविता में असत्यता को त्यागकर सत्य पर विचार करने को कहा गया है।

iii. मनुष्यता हेतु दया, करुणा, ममता आदि गुणों की आवश्यकता होती है।

iv. वर्तमान युग में धर्म का स्वरूप विकृत पाया जाता है।

(घ) उपयुक्त दृष्टांत देते हुए आशय स्पष्ट करो–

उत्तर– i. ऑधियों .... पहले मरा।

आशय—उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि जो मनुष्य मुसीबतों तथा

कठिनाइयों से डर जाता है, वह मृत्यु आने से पहले ही मर जाता है। अत: मनुष्य को कठिनाइयों तथा मुसीबतों का डटकर सामना करना चाहिए।

ii. **कितने .... छला।**

आशय—उपर्युक्त पंक्ति में कवि कहना चाहता है कि मनुष्य चाहे जितना भी बलशाली तथा धनवान क्यों न हो जाए लेकिन मौत एक ऐसी अटल सच्चाई है जो सभी को आनी हैं। क्योंकि रावण जैसा राजा भी मौत से नहीं बच पाया।

iii. **इस अधम .... क्या मिला**

आशय—उपर्युक्त पंक्ति में कवि संदेश देना चाहता है कि मनुष्य को केवल अपने बारे में सोचकर स्वार्थी नहीं बनना चाहिए क्योंकि इस अधम शरीर का कुछ नहीं बनता। ये जितना दूसरे के काम आ जाए उतना ही अच्छा है।

(ग) संदर्भ सहित भाव स्पष्ट करो–

उत्तर– i. **मार्ग .... भला।।**

संदर्भ—उपर्युक्त पंक्तियाँ अनिल कुमार शर्मा द्वारा रचित 'निबाह ले स्वधर्म को' नामक कविता से ली गई हैं। इनमें कवि ने धैर्य के साथ सभी कठिनाइयों का सामना करने का संदेश दिया है।

भावार्थ—कवि कहता है कि चाहे मार्ग कितने ही काँटे भरा हो अर्थात् मार्ग में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आए फिर भी हमें धरती के समान धैर्य को धारण करना चाहिए। क्योंकि धैर्य के साथ आगे बढ़ने से तथा परिश्रम करने से जो पेड़-पौधे सूख चुके हैं वे फिर से हरे हो जाएँगे। अर्थात् फिर से अच्छे दिन आएँगे। सूरज ने कितने कष्ट झेले हैं, धरती ने कितने ही कष्टों का सामना किया है लेकिन सत्य इस पृथ्वी से कभी नहीं जाता अर्थात् सत्य हमेशा सर्वोपरि रहता है। अत: हमें सबका भला ही करना चाहिए क्योंकि दूसरों का भला करने से अपना भी भला होता है।

ii. **निज .... हो भला।**

संदर्भ—प्रस्तुत पंक्तियाँ अनिल कुमार शर्मा द्वारा लिखित 'निबाह ले स्वधर्म को' नामक कविता से ली गई हैं। इनमें कवि ने स्वार्थी न बनकर परमार्थी बनने को कहा है।

भावार्थ—कवि कहता है कि जो केवल अपने बारे में ही सोचता है उसको मनुष्य नहीं कहते। जो धर्म की दुहाई देकर अर्थात् धर्म का नाम लेकर अधर्म करते हैं गलत कार्य करते हैं वे मनुष्य की श्रेणी में नहीं आते। और इस शरीर को पालकर अर्थात् इसी की देख-रेख करके क्या मिलेगा। इसलिए हे मनुष्य! तुम्हें भलाई के कार्य करने चाहिए, क्योंकि यदि तुम ऐसा करोगे तो तुम्हारा भला अपने-आप ही हो जाएगा।

भाषा-ज्ञान

(क) निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– i. मनुष्यता — हमें **मनुष्यता** को अपने जीवन का अंग बनाना चाहिए।

ii. दीपक — **दीपक** खुद अँधेरे में रहकर दूसरों को प्रकाश देता है।

iii. असत्यता — हमें अपने जीवन से **असत्यता** को निकालने का प्रयास निरंतर करना चाहिए।

iv. तृण-तुरु — जल के अभाव में सभी **तृण-तरु** मुरझा जाते हैं।

v. देह — मनुष्य **देह** मुश्किल से मिलती है।

vi. स्वधर्म — व्यक्ति को **स्वधर्म** के अनुसार आचरण करना चाहिए।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ स्पष्ट करो–

उत्तर– i. अधम **नीचे** ii. मनुष्य **मानव**

iii. अधर्म **जो धर्म न हो** iv. मनुष्यता **अच्छाइयाँ**

(ग) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाओ–

उत्तर– i. धर्म **धार्मिक** iv. कठोर **कठोरतम**

ii. धैर्य **धैर्यपूर्वक** v. अधर्म **अधर्मी**

iii. स्वार्थ **स्वार्थी** vi. शत्रु **शत्रुता**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखो–

उत्तर– i. धैर्य **आतुर** vi. धर्म **अधर्म**

ii. मृत्यु **जन्म** vii. गुण **अवगुण**

iii. मनुष्यता **दैत्यता** viii. भला **बुरा**

iv. स्वार्थ **परमार्थ** ix. नीचता **महानता**

v. सत्य **असत्य**

(ङ) निम्नलिखित के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– i. वृक्ष **तरु** **पेड़** **पादप**

ii. धरती **भू** **धरा** **पृथ्वी**

iii. सूरज **सूर्य** **भास्कर** **दिनकर**

(च) समानार्थी शब्द लिखो–

उत्तर– i. अधम **अनाचारी**

ii. तृण **घास**

iii. तरु **वृक्ष**

(छ) उपसर्ग व मूल शब्द अलग-अलग करके लिखो–

उत्तर– i. विचार **वि + चार**

ii. असत्यता **अ + सत्यता**

iii. स्वधर्म **स्व + धर्म**

iv. अधर्म **अ + धर्म**

योग्यता-विस्तार

उत्तर– छात्र स्वयं करें।